मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख कृष्ण 12 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 209, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ मजदूरों के मसीहा-बाबा साहेब

हार्दिक पर जुर्माना, टिम डेविड भी नपे, आरसीबी के बल्लेबाज पर अंपायर को गेंद न लौटाने पर एक्शन 6

# राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने बाबा साहब को किया नमन

**रांची:** भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती दिवस के अवसर पर अंबेडकर चौक, डोरंडा, रांची स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

# मुख्यमंत्री व कल्पना सोरेन ने श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में की पूजा-अर्चना

**रांची:** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन व विधायक कल्पना सोरेन आज निवारणपुर, रांची स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना कर समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की।

# पांच दिनों तक घर में पड़ा रहा बहन का शव, भाई ने बाथरूम में ही कर दिया अंतिम संस्कार, जांच में जुटी पुलिस

**धनबाद:** जिले के गोबिंदपुर थाना क्षेत्र के वास्तु विहार से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती की संदिग्ध मौत के बाद शव को कई दिनों तक घर में ही रखने और बाद में जलाने का मामला सामने आने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

युवती की संदिग्ध मौतः जानकारी के अनुसार लिपिक कुमारी नाम की युवती की 8 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थी और घर में अकेली रहती थी। परिवार ने न तो इस घटना की जानकारी पुलिस को दी और न ही समय पर अंतिम संस्कार किया। मृतका के भाई प्रवण राजवर्धन ने पड़ोसियों को इसकी जानकारी देने की कोशिश की, लेकिन किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

**5 दिन तक घर में पड़ा रहा शवः** घबराहट और सामाजिक दूरी के कारण शव करीब 5 दिनों तक घर में ही पड़ा रहा। इस दौरान स्थिति और खराब होती चली गई। आरोप है कि शव की स्थिति बिगड़ने पर भाई ने उसे बाथरूम में ले जाकर रुई, रजाई और तकिए के साथ जला दिया। इससे पूरे घर में तेज दुर्गंध फैल गई।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

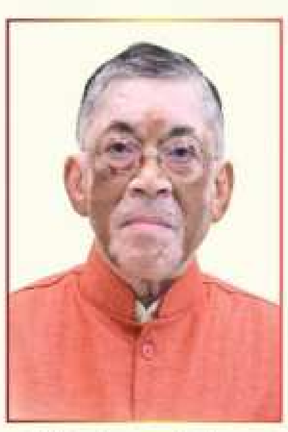

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

## संदेश

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

यह अपार प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड अग्निशमन सेवा के द्वारा राज्य की जनता को आग की विभीषिका के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 14 से 20 अप्रैल, 2026 तक "अग्निशमन सेवा सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष का विषय-वस्तु (Theme) "Safe School, Safe Hospital & Fire Safety Aware Society-Together for Fire Prevention" (सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज-आग की रोकथाम के लिए एक साथ) रखा गया है।

अग्निकांड एक गंभीर एवं विनाशकारी प्राकृतिक आपदा है, जिससे जान-माल की अपूरणीय क्षति होती है एवं इसका प्रतिकूल प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आशा है कि अग्निशमन विभाग के इस कार्यक्रम के तहत अग्निकांड के निरोधात्मक उपायों के प्रचार-प्रसार से आम जनता लाभान्वित होगी।

मैं जन-सेवा में अपने प्राणों की आहुति देनेवाले अग्निशमन सेवा के बहादुर पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। साथ ही, सेवारत पदाधिकारियों एवं कर्मियों के मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक पूरे राज्य में "अग्निशमन सेवा सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। वास्तव में यह सप्ताह अग्निशमन के दौरान शहीद होनेवाले वीर अग्निशमन कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा आम जनता को आग के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

मेरी आम जनता से अपील है कि वे आग की विभीषिका के प्रति सजग और सतर्क रहें। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अग्निशमन सेवा सप्ताह का विषय-वस्तु (Theme) "Safe School, Safe Hospital & Fire Safety Aware Society-Together for Fire Prevention", "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज-आग की रोकथाम के लिए एक साथ", रखा गया है।

मैं अग्निशमन की महती सेवा में शहीद हुए, सभी कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा अग्निशमन सेवा के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्निकाण्डों की चुनौतियों से तत्परतापूर्वक निपटने के लिए आह्वान करता हूँ।

झारखण्ड अग्निशमन सेवा, झारखण्ड

PR-377388 (Jharkhand Fire Service)26-27

न्यूज IN ब्रीफ

## साहेदा में पूरी रात जम कर चला हब्बा डब्बा

**मुरीः** सिल्ली प्रखंड के साहेदा गांव में पूरी रात जम कर हब्बा डब्बा चला। मेले जैसा महौल था। जिसका आयोजन वहां के कमिटी के लोगों ने किया। हालांकि पूरी रात छऊ नृत्य भी हुआ। दूसरे दिन सुबह यानि आज गांव के लोग (फुकुंदी) आग पर नंगे पांव चल कर पूजा पाठ किया। शिव मंदिर में पूजा को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस दौरान छऊ नृत्य का भी आयोजन किया गया ।

## लोदमु में मंडा पूजा, नंगे पांव आग पर से गुजरे भक्त

**मुरीः** लोदमु में आज सुबह नदी में स्नान कर ग्रामीण आग की अंगीठी पर नंगे पांव चल कर आस्था के प्रति श्रध्दा व्यक्त की। भगवान शिव से आने वाले संकट एवं विपत्ति हरने करने की कामना की। परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। इसमें महिला व पुरुष दोनों शामिल हुए। आग पर नंगे पांव चलने से शरीर में सिहरन पैदा होती है। साल में होने वाले इस पर्व में पूरे गांव के लोग उपस्थित रहते हैं।

## रूआर कार्यक्रम के तहत छह से अठारह वर्ष के बच्चों को स्कूल से जोड़ने का संकल्प

**चतरा :** जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएमश्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय में रूआर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड बीडीओ विपिन कुमार भारती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर उनके साथ प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार पासवान,मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश कुमार साव लमटा, मुखिया अमित चौबे एवं बीपीओ ईश्वर राम भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रखंड के सभी प्रभारी प्रधानाध्यापक शामिल हुए। अशोक कुमार पासवान ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छः से अठारह वर्ष के सभी बच्चों को विद्यालय से जोड़ना,ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में लाना तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षकों,अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों समाजसेवियों,बुद्धिजीवियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सीआरपी मो रुस्तम ने किया।इस मौके पर बीडीओ विपिन कुमार भारती ने कहा कि शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा और हर बच्चे को स्कूल से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है। वहीं पीरामल फाउंडेशन के सुरेंद्र कुमार, बीआरसी से रजत उपाध्याय, संतोष कुमार,अनिल कुमार गुप्ता सहित सभी सीआरपी एवं अन्य लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

## ना बैंड, ना बाजा, ना बाराती, ग्रामीणों ने कराई अनोखी शादी

**चतरा :** कहते हैं किसी को अगर दिल से चाहो तो उसे मिलाने के लिए सारी कायनात एक हो जाती है। कुछ ऐसा ही मामला जिले के हंटरगंज में दिखा। जहां एक प्रेम प्रसंग को लेकर बढ़ रहा तनाव उस समय खुशियों में बदल गया। जब ग्रामीणों और दोनों परिवारों की सूझबूझ से एक प्रेमी युगल का विवाह तय डेट से पहले हंटरगंज शिव मंदिर में संपन्न कराया । बिना किसी विशेष रस्म-रिवाज, बैण्ड-बाजा के, प्रेमी युगल ने एक-दूसरे को फूल माला पहनाकर वैवाहिक बंधन में प्रवेश किया। मामला चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जहां ब्लूरी गांव के युवक और डाहा गांव की युवती के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। हालांकि ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई जिसके बाद किया था दोनों पक्षों ने इस रिश्ता को पवित्र रिश्ते में बदलना चाहा, और शादी 22 अप्रैल 2026 को तय हुई, लड़की के परिजनों ने इसको लेकर कार्ड से लेकर सारा सामान की खरीदारी भी कर ली, इसी बीच लड़का शादी से इंकार कर दिया, लड़की के परिजन इसको लेकर हंटरगंज थाना पहुंचे और पुलिस को आपबीती सुनाई, पुलिस ने लड़का पक्ष को थाना बुलाया ग्रामीणों, बुजुर्गों और दोनों परिवारों की मौजूदगी में पंचायत बैठक हुई। बातचीत के बाद सर्वसम्मति से प्रेमी युगल का विवाह कराने पर सहमति बनी। विवाह सादगी से न बैण्ड, न बाजा, न कोई विशेष रस्म, सिर्फ घराती और बाराती की मौजूदगी में दोनों ने एक-दूसरे को फूलमाला पहनाकर वैवाहिक बंधन में प्रवेश रविवार देर शाम कराया गया। विवाह के दौरान मौजूद लोगों ने पूरा घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। जिसका वीडियो सामने आया है। जो हंटरगंज थाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि लड़का ने बताया कि उसने यह शादी अपने मर्जी से की है।

## अपराधकर्मियों ने सीएसपी संचालक से लूटे 2 लाख 96 हजार

**चतरा :** सदर थाना क्षेत्र के मोकतमा गांव स्थित एसबीआई सीएसपी संचालक हसोत निवासी अरविंद कुमार पिता भुवनेश्वर यादव से सोमवार को अज्ञात अपराधियों ने दो लाख 96 हजार लूट लिए। घटना उस वक्त घटी,जब सीएसपी संचालक एसबीआई की तपेज बांच से पैसा लेकर मोकतमा गांव वापस जा रहा था। इस संबंध में भुक्तभोगी अरविंद कुमार ने सदर थाना में तीन अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। प्राथमिकी में भुक्तभोगी ने कहा है कि वह मोकतमा में एसबीआई का सीएसपी कोड नंबर (वन ए77ए 866) संचालित करते हैं। प्रतिदिन एसबीआई तपेज ब्रांच से नगद राशि लेकर अपने सीएसपी शाखा में ग्राहको का भुगतान एवं अन्य बैंकिग सेवाएँ प्रदान करते है। बीते
13 अप्रैल 2026 (सोमवार ) को लगभग 10.45 बजे पूर्वाह्न जब एसबीआई तपेज ब्रांच से 2 लाख 96 हजार रु की निकासी कर अपने सीएसपी मोकतमा की ओर जा रहा था, तभी सदर थाना क्षेत्र के धमनियां मोड़ से मोकतमा पथ के मध्य मर्दनपुर बांझी तेतर नामक स्थान के पास काले रंग की अपाची मोटरसाइकिल में सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने पीछे से आकर मेरे बाईक रजिस्ट्रेशन नं० जेएच 13 बी-5107 में टक्कर मार दी, जिससे मैं गिर गया। आरोपियों ने पिस्टल दिखाकर मुझे जान से मारने की धमकी देकर बलपूर्वक नगद दो लाख छीयानबे हजार रुपए छीन लिया। भुक्तभोगी ने बताया कि घटना के उपरांत तीनों अपराधी मौके से फरार हो गए। बैग में रूपयों के अलावा पाँच एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आधार कार्ड एवं एक लंच बॉक्स था। भुक्तभोगी ने बताया कि अपराधियों ने मेरा मोबाईल भी छीनकर झाड़ी में दूर फेंक दिया जो कि बाद में काफी खोजबीन के बाद मुझे मिला। वहीं इस बाबत सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 108/26 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

# भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

**चतरा :** भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर देश भर में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। चतरा शहर के पोस्ट ऑफिस चौक स्थित प्रतिमा पर चतरा उपायुक्त कृतिश्री एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने देश के लिए बाबा अंबेडकर के अतुलनीय योगदान, सामाजिक न्याय और संविधान निर्माण के उनके कार्यों को याद किया।

## रूडसेट संस्थान में फोटग्राफी और वीडियोग्राफी प्रशिक्षण हुआ शुरू

संवाददाता

**मुरी :** केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में युवाओं के लिए 31 दिवसीय फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी (मीडिया एवं एंटरटेनमेंट) प्रशिक्षण कार्यक्रम शीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बेरोजगार युवक-युवतियों को कैमरा संचालन, लाइटिंग, वीडियो शूटिंग, एडिटिंग तथा मीडिया क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसरों के प्रति दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कैमरा की तकनीकी जानकारी ( आईएसओ, एपर्चर,शटर्र), फोटो व वीडियो शूटिंग की आधुनिक तकनीक, एडिटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग, इवेंट एवं वेडिंग शूट, डॉक्यूमेंट्री निर्माण तथा सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएशन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस प्रशिक्षण में 18 से 45 वर्ष आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण सामान्यतः निःशुल्क है तथा आवासीय होगा रहने-खाने की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र,राशन कार्ड,बैंक पासबुक साथ में लाना अनिवार्य है। नामांकन के लिए जल्द संस्थान में संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। सीटें सीमित हैं, इसलिए शीघ्र आवेदन करने की सलाह दी गई है।

## स्टेशन रोड व अरगोड़ा चौक के पास हटा अतिक्रमण

रांची : शहर में अतिक्रमण के खिलाफ रांची नगर निगम का सघन अभियान जारी है। सोमवार को निगम की इंफोर्समेंट टीम की ओर से रांची रेलवे स्टेशन रोड और अरगोड़ा चौक के आसपास क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। सड़कों और फुटपाथों पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, दुकानें और अन्य अस्थायी ढांचों को हटाया गया। कई ठेले-खोमचे जब्त भी किए गए। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को चेतावनी भी दी गई कि वे भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करें, अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## सिविल सर्जन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता

**चतरा :** सिविल सर्जन डॉ. सतेन्द्र सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में फोकल एमडीए (मास ड्रग एडमिस्ट्रेशन) को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के सभी सीएचओ, एमटीएस, एएनएम एवं एमपीडब्लू उपस्थित रहे। एक दिवसीय प्रशिक्षण भीबीडीसी के अभिमन्यु कुमार एवं पीरामल टीम द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें एमडीए अभियान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। अभिमन्यु कुमार द्वारा जानकारी दी गई कि यह अभियान 20 अप्रैल से 5 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान जिले के 89 अतिप्रभावित गांवों में कुल 1,02,670 लोगों को दवा खिलाई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान मेडिकल ऑफिसर डॉ. अंकुर एवं डॉ. अदनान भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को एमडीए अभियान की तैयारी, प्रभावी क्रियान्वयन, दवा वितरण की प्रक्रिया तथा फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता का विकास करना तथा एमडीए अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करना है। अंत में सिविल सर्जन द्वारा सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

### हंटरगंज थाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता

## जजलों से लापता छात्र को 6 दिन बाद सकुशल किया बरामद

संवाददाता

**चतरा :** जिले के हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ट्यूशन से लौटने के दौरान जजलों से लापता हुए 13 वर्षीय छात्र को महज 6 दिनों के अंदर बिहार राज्य के गया जी जिले के शेरघाटी से बरामद कर लिया। पुलिस की इस सफलता की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। ज्ञात हो कि 8 अप्रैल दिन बुधवार को सुबह लगभग 7 बजे खजूरिया निवासी संजय दास का 13 वर्षीय पुत्र इंद्रजीत कुमार ट्यूशन से घर लौटने के दौरान जजलों से लापता हो गया था। घर में बीते दिनों से मातम पसरा था। चूल्हा तो जैसे बुझ ही गया था, परिजनों को आंखों में नींद नहीं और दिल में हर पल अनहोनी का डर सता रहा था । लेकिन सोमवार को वही घर खुशियों से गुलजार हो गया। छात्र की सकुशल बरामदगी के साथ ही सिर्फ चूल्हा ही नहीं जला, बल्कि परिवार की टूटी उम्मीदें भी फिर से रोशन हो

गईं। छात्र के सुरक्षित लौटते ही घर में रौनक लौट आई। मां की सूनी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े, तो पिता के चेहरे पर लंबे समय बाद सुकून दिखा। इस खुशी की लहर सिर्फ घर तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे गांव और हंटरगंज प्रखंड में राहत और उत्साह का माहौल बन गया। परिजनों ने इस भावुक मौके पर उन सभी लोगों का दिल से आभार जताया, जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में उनका साथ दिया। खासतौर पर हंटरगंज थाना पुलिस और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति उन्होंने गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। परिजनों ने कहा कि पुलिस ने ना उम्मीद छोड़ी, न मेहनत में कोई कमी आने दी। यह बरामदगी सिर्फ एक केस की सफलता नहीं, बल्कि भरोसे की जीत है। जब पुलिस पूरी शिद्दत से जुटती है, तो उम्मीदें जरूर रंग लाती हैं। समाजसेवी मोहम्मद हनीफ शेख ने कहा कि इस सफलता के लिए चतरा पुलिस का हम दिल से धन्यवाद करते है। जबड़ा मुखिया प्रतिनिधि चैतु यादव ने कहा कि इस सफलता के लिए चतरा पुलिस की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम ही होगा। पुलिस पूरी तरह वफादारी का काम किया है। सकुशल बरामदगी के बाद हंटरगंज पुलिस पदाधिकारियों ने राहत की सांस ली है।थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि छात्र की सेहत ठीक है।

## दहकते अंगारों पर चलकर शिव भक्तों ने दिया भक्ति का परिचय

संवाददाता

**सिल्ली :** सिल्लीडीह में चैत की मासिक शिवरात्रि हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। श्रद्धालु सुबह सूर्य को अर्घ्य देने के बाद शिवलिंग पर जल, दूध नारियल सतू आदि भोग चढ़ाया। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, लोगों का अटूट विश्वास है चैत की मासिक शिवरात्रि पर यहां रुद्राभिषेक करने से नया साल शुभ बीतता है और खेती-बाड़ी अच्छी होती है। वही 5 फीट लंबा अग्निकुंड बनाया गया था। जिसमें उपले, लकड़ी और घी से तेज आग जलाई गई थी, जहां शिव भक्तों ने खाली पांव दहकते अंगारों पर चलकर अपनी भक्ति का परिचय दिया। मान्यता है कि सच्चे भक्तों को भोलेनाथ की कृपा से आग नहीं जलाती। निर्जला उपवास रखने वाले शिव भक्त अमर प्रमाणिक एंव विकास महतो आदि ने बताया मन्नत पूरी होने पर या भोलेनाथ के प्रति आस्था दिखाने के यह कठिन तप करते है।

### डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य आयोजन

## बाबा साहेब के विचार ही समाज को देंगे सही दिशा, समरसता और शिक्षा पर जोर

संवाददाता

**चतरा :** हंटरगंज स्थित राम नारायण मेमोरियल डिग्री कॉलेज का सभागार उस समय विचार,प्रेरणा और सामाजिक चेतना का केंद्र बन गया,जब भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती सह समानता एवं ज्ञान दिवस बड़े ही गरिमामय माहौल में मनाया गया।राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने न सिर्फ बाबा साहेब के योगदान को याद किया,बल्कि समाज में समानता,शिक्षा और न्याय के मूल्यों को मजबूत करने का संदेश भी दिया।

श्रद्धांजलि से शुरूआत,विचारों से हुआ विस्तारः कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित शिक्षकों,विद्यार्थियों और अतिथियों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जैनेन्द्र कुमार सिंह ने की,जबकि संचालन डॉ. फहीम अहमद एवं प्रो. फखरुद्दीन अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. टी.एन. सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

संघर्ष से शिखर तक का सफर प्रेरणादायकःमुख्य अतिथि

अपने प्रभावशाली संबोधन में सचिव सह मुख्य अतिथि प्रो. टीएन. सिंह ने कहा

बाबा साहेब का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियां भी किसी के हौसले को रोक नहीं सकतीं। उन्होंने सामाजिक भेदभाव के बीच संघर्ष करते हुए न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की, बल्कि देश के संविधान का निर्माण कर इतिहास रच दिया। उन्होंने कहा कि समानता और

सामाजिक न्याय के लिए किया गया उनका कार्य आज भी समाज को दिशा दे रहा है।

अंबेडकर जयंती केवल उत्सव नहीं,विचारों का संकल्पः प्राचार्य

प्राचार्य प्रो. जैनेन्द्र कुमार सिंह ने कहा,अंबेडकर जयंती हमें यह याद दिलाती है कि शिक्षा ही समाज में बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। बाबा साहेब के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता के समय थे।उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अपनी भूमिका निभाएं।

संविधान और समानता पर गहन चर्चाः परीक्षा नियंत्रक डॉ. रियाजउद्दीन अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब ने भारतीय संविधान के माध्यम से हर नागरिक को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया।उनकी सोच ने भारत को एक लोकतांत्रिक,धर्मनिरपेक्ष और समावेशी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

युवाओं में दिखा उत्साह, संदेश बना प्रेरणाः कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण में जागरूकता, प्रेरणा और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव स्पष्ट झलक रहा था।

यह आयोजन केवल एक जयंती कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक संदेश थाः जब समाज शिक्षा,समानता और न्याय के सिद्धांतों को अपनाता है, तभी सच्चे अर्थों में विकास संभव होता है। यह आयोजन इस बात का प्रमाण बना कि बाबा साहेब के विचार आज भी युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं और समाज को एक नई दिशा देने में सक्षम हैं। इस कार्यक्रम में कॉलेज व्याख्याता,शिक्षकेतर कर्मचारी,छात्र छात्राएं एवं एनएसएस के स्वयं सेवक उपस्थित थे।

# आस्था की अग्नि में तपता विश्वासः चुटिया नगरी का मंडा पर्व

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो 'गोतिया'

**रांचीः** राजधानी रांची की ऐतिहासिक धरती पर स्थित चुटिया नगरी अपने सांस्कृतिक वैभव और लोक परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखती है। यहां मनाया जाने वाला मंड़ा पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक जीवन की आस्था, समर्पण और सामूहिक संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व मुख्यतः भगवान शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है और आदिवासी तथा स्थानीय सदानी समाज की सांस्कृतिक चेतना को एक सूत्र में पिरोता है।

मंड़ा पर्व का आयोजन प्रायः ग्रीष्म ऋतु के अंतिम चरण में होता है, जब प्रकृति तपिश से भरी होती है और वर्षा के आगमन की प्रतीक्षा की जा रही होती है। इस समय लोग भगवान शिव से वर्षा, सुख-समृद्धि और जीवन में संतुलन की कामना करते हैं। इस पर्व का मूल भाव तप, त्याग और भक्ति में निहित है। व्रती (भक्त) कई दिनों तक कठोर नियमों का पालन करते हैं। उपवास रखते हैं, शुद्धता का विशेष ध्यान रखते हैं और अपने मन, वचन व कर्म को संयमित रखते हैं।

मंड़ा पर्व की सबसे प्रमुख विशेषता अग्नि पर चलना है, जिसे स्थानीय भाषा में अग्नि परीक्षा के रूप में भी देखा जाता है। व्रती जलते हुए अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं, जो उनकी अटूट आस्था और आत्मबल का प्रतीक है। यह दृश्य न केवल रोमांचकारी होता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के आगे कठिन से कठिन परिस्थितियां भी सहज हो जाती हैं।

चुटिया नगरी का यह पर्व ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। चुटिया क्षेत्र प्राचीन काल से ही नागवंशी शासकों की राजधानी रहा है, जहाँ धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र विकसित हुआ। यहां के प्राचीन मंदिर और स्थापत्य इस बात के साक्षी हैं कि यह क्षेत्र सदियों से आस्था और परंपरा का केंद्र रहा है। मंड़ा पर्व इसी समृद्ध परंपरा का निरंतर प्रवाह है, जो आज भी लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ता है।

इस पर्व में सामूहिकता का अद्भुत स्वरूप देखने को मिलता है। गाँव-शहर के लोग मिलकर आयोजन करते हैं, मेलों का आयोजन होता है, लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत किए जाते हैं। ढोल-नगाड़ों की ध्वनि और भक्तिमय गीत वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देते हैं। महिलाएं, पुरुष, बच्चे, सभी इस उत्सव में समान रूप से भाग लेते हैं, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना सुदृढ़ होती है।

मंड़ा पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोक जीवन के दर्शन को भी अभिव्यक्त करता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में धैर्य, संयम और विश्वास का कितना महत्व है। साथ ही, यह प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके साथ सामंजस्य बनाए रखने का संदेश भी देता है।

रांची की ऐतिहासिक नगरी चुटिया का मंड़ा पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य धरोहर है। यह पर्व न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि लोक जीवन की जीवंतता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक निरंतरता का सशक्त प्रतीक भी है। इसे सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अद्भुत परंपरा से प्रेरणा ले सकें।

चैत्र पर्व व शिव पूजा संपन्न

## अंगारों पर चले शिव भक्त,भोक्ता झूलन और छऊ नृत्य का हुआ आयोजन

मेट्रो रेज,1

**राहे :** प्रखंड के महेशपुर,नुरू,गोवाली ओर दरहा गांव में मंगलवार सुबह को हर्षोल्लास के साथ चैत्र पर्व व शिव पूजा संपन्न हो गया। इसे लेकर गांव के शिव मंदिर परिसर में सोमवार रात मेले का आयोजन किया गया। जहां लोग रात भर छऊ नृत्य तथा मेले का आनंद लिया। वहीं मंगलवार सुबह फूलखुंदी ( दहकते अंगारों में चलना) का आयोजन किया गया। नुरू ओर गोवाली गांव में भोक्ता 50 फीट ऊंची हवा में झूलते हुए झूलन किया। शिव भक्त अपने पीठ में लोहे की छड़ बेध कर झूलन किया। अनुष्ठान के बाद प्रसाद ग्रहण कर व्रत तोड़ा गया। पर्व आस्था का अद्भुत प्रतीक है फूलखुंदी ओर झूलन : फूलखुंदी में भोक्ता नंगे पांव आग पर चलते हैं। सभी भोक्ता पाटभोक्ता के नेतृत्व में मंदिर के निकट तालाब से स्नान कर इस आग की पूजा अर्चना कर अंगारे में गुजरकर व्रत पूर्ण किए। इसके बाद पीठ में लोहे की छड़ में रस्सी बांध कर 50 फीट ऊपर हवा में बल्ली के सहारे झूले है। सारा अनुष्ठान 24 घंटे निर्जला उपवास में रह कर किया गया। आयोजन को लेकर मेला समिति के सदस्य सक्रिय भूमिका में रही।

## नव वर्ष के आगमन और खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है वैशाखी

देविन्दर पाल सिंह

**वैशाखी** पर्व नव वर्ष के आगमन (ऋतु परिवर्तन)और खालसा पंथ की स्थापना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

यह सिख समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हर वर्ष 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है।

इस वर्ष वैशाखी 14 अप्रैल को मनाया जा रहा है। यह पर्व सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 1699 में खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। वैशाखी पंजाब और हरियाणा में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, जहां इसे नये फसलों की कटाई के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह पर्व सिखों के लिए एक नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष प्रार्थना और कीर्तन आयोजित किए जाते हैं।

लोग नए रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धज कर और ढोल की थाप पर नाचते-गाते खुशियां मनाते हैं।

इस दिन लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी लोग एक साथ भोजन करते हैं। वैशाखी पर्व सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। चलिए हम सब मिलकर अपने सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण-संवर्धन करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में वैशाखी पर्व की खुशियां मनाएं और स्वस्थ,समृद्ध राष्ट्र के नवनिर्माण में सहभागिता निभाएं।

## 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' पर सीएम को लगाया बैज

**रांचीः** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में मिले गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के पुलिस महानिदेशक एमएस भाटिया । 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर उन्हें बैज लगाया।

## पंच मंदिर में भगवान को लगाया गया सतूवान का महाप्रसाद

**रांचीः** मंगलवार सुबह 8 बजे पीपर टोली नागड़ा ढीपा तारा नगर के पंच मंदिर परिसर में भोलेनाथ का अभिषेक ,श्री दुर्गा, श्री हनुमान , शीतला माता व भैरव के साथ पंच देव का आह्वान कर विधिवत मंत्रोच्चार पूजन, आरती हवन व पूर्णाहूति कर शिवलिंग पर जल चढ़ाकर व सतूवान का महाप्रसाद भोग निवेदन पंच मंदिर तारा नगर के प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक द्वारा लगाया गया।

इस अवसर पर बीरेंद्र साहु, विवेक कुमार, रामेंद्र सिन्हा, विनय श्रीवास्तव, अशोक साहु, श्रीनिवास, एवं शशि भूषण प्रसाद के साथ ही मंदिर संचालन समिति के अनेकों सदस्य मौजूद थे।

बार काउंसिल चुनाव

## कलाम रसीदी बने पहले विजेता, मिला 677 वोट, अजहर अहमद ने दी बधाई

मेट्रो रेज

**रांची(गुलाम शाहिद) :**झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव में पुरुष अधिवक्ताओं के वर्ग से पहला परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। मतगणना के छठे राउंड के बाद झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता अब्दुल कलाम रसीदी ने निर्धारित कोटा 677 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। कोटा पूरा होते ही उन्हें आधिकारिक रूप से विजयी घोषित कर दिया गया। मतगणना के दौरान शुरूआत से ही रसीदी बढ़त बनाए हुए थे और छठे राउंड में उन्होंने जीत के लिए आवश्यक आंकड़ा हासिल कर लिया। उनकी जीत के साथ ही अधिवक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर सिविल कोर्ट के अधिवक्ता अजहर अहमद खान ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ह्लआप जैसे सक्षम, निडर और संघर्षशील वकील के हमारे साथ होने से हम सभी का आत्मविश्वास बढ़ता है। आपकी यह जीत पूरे अधिवक्ता समाज की जीत है। रसीदी के झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य के रूप में चयनित होने पर अधिवक्ताओं ने गर्व व्यक्त किया। साथियों ने कहा कि उनकी कार्यशैली, ईमानदारी और समर्पण आने वाले समय में अधिवक्ता हितों की रक्षा करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

## आरबीआई का ज्ञान अभियान, स्कूली छात्रों में वित्तीय साक्षरता पर जोर

मेट्रो रेज

**रांचीः** भारतीय रिजर्व बैंक, राँची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 7 से 13 अप्रैल 2026 तक ज्ञान अभियान के तहत स्कूली छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में कस्तूरवा सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, नामकुम और कस्तूरवा गांधी बालिका विद्यालय, बुंडू में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह सहित साख फाउंडेशन के मनोज सिंह उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए वित्तीय साक्षरता के महत्व, बैंकिंग प्रणाली, डिजिटल लेन-देन और सतर्कता के पहलुओं पर

विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें वित्तीय साक्षरता मित्र बनकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में डिजिटल सामग्री से युक्त वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता दीर्घा का भी उद्घाटन किया गया। इस दौरान बैंकिंग, बजट, बीमा और निवेश से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया, जिसे प्रतिभागियों और शिक्षकों ने सराहा। आरबीआई की इस पहल को प्रदेश में वित्तीय साक्षरता और जनजागरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

मारवाड़ी बॉक्स क्रिकेट सीजन 1 का समापन

## सीजन एक के विजेता बने माइटी मैवरिक

मेट्रो रेज

**रांचीः** मारवाड़ी युवा मंच, रांची दक्षिण द्वारा आयोजित मारवाड़ी बॉक्स क्रिकेट सीजन 1 का भव्य एवं सफल समापन कल अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन संगठन के लिए एक ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ, जिसमें खेल प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल भावना का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

इस प्रथम संस्करण में कुल 8 टीमों की सहभागिता ने प्रतियोगिता को अत्यंत रोचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया। प्रत्येक मैच में खिलाड़ियों का उत्साह, समर्पण एवं जोश दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया सचिव राघव शारदा , कोषाध्यक्ष श्रीरामचंद्र अग्रवाल कार्यक्रम

संयोजक आशीष मंगल,समर्थ तायल, ,सौरभ विजय ने अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाई।

टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में माइटी मैवरिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची रॉयल्स को पराजित कर विजेता का गौरव प्राप्त किया। टीम के कप्तान आदित्य जैन के कुशल नेतृत्व में माइटी मैवरिक ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित खेल, सुदृढ़ रणनीति एवं उत्कृष्ट टीमवर्क का परिचय देते हुए अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि रांची के उप महापौर नीरज कुमार, समाजसेवी पवन बजाज श्री राम भारत मिलाप समिति के अध्यक्ष -रोहित शारदा, संरक्षक- बीके विजय, सरदार अशोक सिंह ,हरिप्रसाद ,विजय माहेश्वरी ,युवा संगठन के विनय मंत्री हेमंत महेश्वरी, दक्षिण शाखा के पूर्व अध्यक्ष बलवीर जैन कृष्ण कुमार ,पिलानिया विनय नाहटा, राम बंगार, मधु अग्रवाल,बिना शारदा, अनीता अग्रवाल, ममता सुल्तानिया, राखी रामपुरिया, निर्मला अग्रवाल, रांची शाखा के अध्यक्ष सचिव सहित प्रांतीय पदाधिकारी भी शामिल हुए।

## पति की मौत के बाद पत्नी को मिली बीमा राशि

मेट्रोरेज संवाददाता

**हैदरनगर,पलामूः** कहते हैं छोटी बचत बड़े संकट में सहारा बनती है, और इसका जीवंत उदाहरण हैदरनगर में देखने को मिला। हैदरनगर उच्च विद्यालय के समीप निवासी अजीत राम के निधन के बाद उनकी पत्नी सीमा देवी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। भारतीय स्टेट बैंक की हैदरनगर शाखा द्वारा सोमवार को यह चेक सौंपा गया। शाखा प्रबंधक ओमप्रकाश ने बताया कि अजीत राम हर साल मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करते थे और उन्होंने केवल पहले वर्ष का ही भुगतान किया था, बावजूद इसके उनकी पत्नी को पूरी बीमा राशि का लाभ मिला।

सबसे खास बात यह रही कि मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से जमा करने के बाद मात्र 5 दिनों के भीतर राशि का भुगतान कर दिया गया, जो बैंक की त्वरित कार्यप्रणाली को दर्शाता है। सीमा देवी ने भावुक होकर कहा कि कम आय वाले लोगों को भी ऐसी योजनाओं से जुड़ना चाहिए, क्योंकि मुश्किल समय में यही योजनाएं परिवार के लिए आर्थिक संबल बनती हैं। फील्ड ऑफिसर अनुज सिंह ने भी सभी खाताधारकों से अपील की कि वे इस सरकारी बीमा योजना से जरूर जुड़ें, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–सुरज राम, उम्र–21 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 8 ईंच, रंग–गोरा,

उपरोक्त लापता व्यक्ति सुरज राम, उम्र–21 वर्ष, पिता–मोहन राम, सा0–चोरेया, थाना–चान्हो, जिला–राँची जो दिनांक–05.06.2025 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चले गए है जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में चान्हो थाना सन्हा सं0–13/2026, दिनांक–11.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, खलारी राँची। – 9431742777
थाना प्रभारी, चान्हो, राँची। – 9431706189

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 377443 Police(26-27)D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(जिला पर्यटन,कला-संस्कृति,खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
रूम- C 301 नया समाहरणालय, भवन चंदाली, गुमला -835207
Email id- sportsgumla@gmail.com

विज्ञापन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उप निदेशक, झारखण्ड खेल प्राधिकरण, झारखण्ड, राँची का पत्रांक– 13 राँची, दिनांक– 07.04.2026 के आलोक में भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भरत सरकार, खेलों इंडिया योजना के तहत वर्ष 2025–26 में ASMITA City League का आयोजन राज्य के सभी जिलों में किया जाना है। गुमला जिला में ASMITA City League का आयोजन (महिला वर्ग) दिनांक 24.04.2026 से 25.04.2026 तक आयोजित की जायेगी। जिसमें फुटबॉल, हॉकी, बैडमिन्टन एवं एथलेटिक्स में (U-14, U-17 & Open to All) तथा कुश्ती में (U-14, U-17 & U-19) वर्ग के खिलाड़ी अपना आवेदन विहित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरकर दिनांक 15.04.2026 से 22.04.2026 तक जिला पर्यटन,कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा रूम no–C 302 नया समाहरणालय, भवन चंदाली, गुमला में जमा कर सकते हैं।

नोट :– ASMITA City League का पंजीयन फार्म www.gumla.nic.in पर उपलब्ध है।

PR.NO.377390 District(26-27):D

जिला खेल पदाधिकारी, गुमला।

## सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

## जस्टिस वर्मा के इस्तीफे के बाद भी बचे रहेंगे सवाल

**इलाहाबाद** हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने पद से इस्तीफा देकर अपने खिलाफ लोकसभा में चल रहे महाभियोग की प्रक्रिया को पूर्णविराम देने का प्रयास किया है। उनका यह विलंब से लिया गया सही फैसला कहा जाएगा। महाभियोग से हटाए जाने की स्थिति में भारतीय न्याय व्यवस्था पर वह हमेशा के लिए एक धब्बा बन जाते। देश में अब तक किसी भी न्यायाधीश को महाभियोग के जरिए नहीं हटाया गया है। हालांकि न्यायिक इतिहास में तीन मौके ऐसे जरूर आए थे। पहला 1993 में, जब जस्टिस वी रामास्वामी के खिलाफ लोकसभा में लाया गया महाभियोग प्रस्ताव गिर गया था। दूसरा और तीसरा 2011 में, जब जस्टिस सौमित्र सेन और जस्टिस पीडी दिनाकरण ने राज्यसभा में महाभियोग की कार्यवाही पूरी होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। तब संसद ने उनके खिलाफ कार्रवाई रोक दी थी। शुरूआती हिचक के बाद जस्टिस वर्मा ने जस्टिस सौमित्र सेन और जस्टिस पीडी दिनाकरण के रास्ते को चुना है। जस्टिस वर्मा जब दिल्ली हाईकोर्ट में थे, तब उनके आवास के एक हिस्से में आग लगने पर नोटों के जले हुए बंडल पाए गए थे। राष्ट्रपति द्वारा इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद, यशवंत वर्मा न्यायाधीश नहीं रह जाएंगे। उनके पद छोड़ने के बाद संसद में चल रही जांच की दिशा क्या होगी, यह लोकसभा अध्यक्ष के निर्णय पर निर्भर करेगा। अक्सर इस्तीफा होने के बाद ऐसी जांच प्रक्रियाएं बंद कर दी जाती हैं, क्योंकि संबंधित व्यक्ति संवैधानिक पद पर नहीं रह जाता। इस प्रकरण से कई कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े होते हैं। क्या पद से हटने मात्र से किसी न्यायाधीश पर लगे सारे आरोप समाप्त हो जाते हैं, जिनकी जांच संसद कर रही हो? क्या एक न्यायाधीश को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले लाभों को सुरक्षित रखने के लिए इस्तीफे को ढाल बनाना चाहिए? समय आ गया है कि न्यायाधीशों के विरुद्ध गंभीर शिकायतों के निपटारे के लिए एक अधिक प्रभावी और पारदर्शी तंत्र विकसित किया जाए। सिर्फ 'इन-हाउस' जांच करने या संसद में महाभियोग लाने जैसे रास्तों से इतर नया तरीका भी खोजा जाना चाहिए जो त्वरित व निष्पक्ष हो। न्यायपालिका की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं न्यायाधीशों की है। यह उनके पास ही रहनी चाहिए क्योंकि, यह काम किसी और को दिया गया तो उससे पवित्रता के और खतरे में पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि सर्वोच्च न्यायालय जस्टिस वर्मा प्रकरण से उठे सवालों का स्थायी समाधान खोजे। यह इस्तीफा केवल पद से मुक्ति हो सकता है, लेकिन यह उन पर लगे आरोपों से मुक्ति नहीं है। तकाजा है कि जांच केवल कुर्सी छीनने तक न रुके, बल्कि जनता के सामने एक नजीर बने। इसमें कोई शक नहीं कि न्यायपालिका में आत्मनिरीक्षण की प्रक्रिया अन्य संस्थाओं की अपेक्षा ज्यादा मजबूत है। लेकिन, जस्टिस वर्मा जैसे मामलों से न्यायाधीशों को दिए जा रहे 'सुरक्षा कवच' सवालों के घेरे में आते हैं।

## छोटी पहल से ही उठेंगे बड़े बदलाव की ओर कदम

हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा। जाहिर है कि हमें दूसरों से अपेक्षा करने से पहले खुद को बदलना होगा। छोटे-छोटे गांव-कस्बों से सामूहिक संकल्प का भाव लिए जब बदलाव की ध्वजा थामने वाली खबरें आती हैं तो वे मन को सुकून देने वाली होती हैं। तमिलनाडु के मदुरै जिले के गांवों में राजनीतिक पोस्टरों, बैनरों व झंडों पर पूरी तरह से रोक का फैसला हो या फिर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के छोटे से गांव बोरसर को गालीमुक्त बनाने का ग्रामीणों का संकल्प। दोनों में ही सुधार की पहल घर से करने के प्रयासों में ग्रामीणों की भागीदारी स्वागत योग्य है। आज के दौर में जब भ्रष्टाचार, प्रदूषण, नशाखोरी और हिंसा का माहौल हर कहीं बड़ी समस्या के रूप में सामने आता है, स्थानीय स्तर पर ऐसे संकल्प सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के ठोस उपाय ही कहे जाने चाहिए। सब जानते हैं कि चुनावों के दौर में राजनीतिक दल और उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के तमाम हथकंडे अपनाने से नहीं चूकते। चुनावों में धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल राजनीति में खत्म नहीं होने वाली बुराई के रूप में सामने आने लगी है। जबकि लोकतंत्र का आधार जनता की स्वतंत्र इच्छा है। जब गांवों की गलियों और चौपालों पर राजनीतिक प्रचार के रंग-बिरंगे पोस्टर और बैनर छा जाते हैं, तो वातावरण अक्सर पक्षपातपूर्ण और दबावपूर्ण हो जाता है। ऐसे में मतदाता भी कहीं न कहीं प्रभावित होता है। ऐसे माहौल में जब तमिलनाडु के कुछ गांवों ने अपने यहां प्रचार सामग्री के इस्तेमाल पर रोक व प्रलोभनों को स्वीकार नहीं करने का संकल्प लेने का जो कदम उठाया है,वह राजनीति में शुचिता के प्रयासों को बल देने वाला ही कहा जाएगा। मध्य प्रदेश के बोरसर गांव में तो ग्रामीणों ने गाली देने वालों पर जुमार्ना अथवा झाड़ू लगाने की सजा मुकर्रर कर दी है। सामाजिक समरसता बनाए रखने तथा बेवजह विवादों को बढ़ने से रोकने की दिशा में गांववालों ने यह कदम उठाया है। पिछले दिनों ही महाराष्ट्र के एक गांव से खबर आई थी कि वहां पंचायत गांव की प्रत्येक कन्या के विवाह पर उसका कन्यादान करेगी। नशे पर रोक लगाने के लिए स्थानीय स्तर पर शराबबंदी और मादक पदार्थों के सेवन पर रोक तथा दहेज तथा मृत्युभोज जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी स्थानीय व सामाजिक स्तर पर प्रतिबंधात्मक फैसले लिए जाने लगे हैं।

आज आवश्यकता है कि हम अपने घर, विद्यालय, कार्यस्थल और समाज में आत्म-सुधार की संस्कृति को बढ़ावा दें। बच्चों को ईमानदारी व अनुशासन का पाठ पढ़ाएं, युवाओं को जिम्मेदारी और परिश्रम का महत्व समझाएं। यह भी तय है कि सामाजिक बुराइयों को एक झटके में दूर नहीं किया जा सकता। इनसे कानून के जरिए भी निपटना भी अधिक आसान नहीं होता। वस्तुतः जब तक व्यक्ति स्वयं अपने भीतर अनुशासन, ईमानदारी और संवेदनशीलता का विकास नहीं करेगा, तब तक स्थायी परिवर्तन की उम्मीद बेमानी है।

# मजदूरों के मसीहा-बाबा साहेब

**डॉ. अंबेडकर को भारत के संविधान निर्माता के रूप में ही नहीं, बल्कि मजदूरों व शोषितों के मसीहा के रूप में भी जाना जाता है।**

**हेमंत सिंह**

**अंबेडकर जयंती विशेष**

**भारतीय** संविधान के निर्माता, शोषितों के मसीहा, नारी जाति के उद्धारक, युगद्रष्टा, राष्ट्रभक्त, अद्भुत मेधा के धनी, समाज का भला करने की उत्कट इच्छा रखने वाले, स्वभाव से जुझारू, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रेल, 1891 को महू मध्य प्रदेश में हुआ था।

इनका बचपन बहुत कष्टमय, छुआछूत व विपन्नता से परिपूर्ण था। श्रमिक वर्ग के अधिकारों की वकालत करना व उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं विपरीत परिस्थितियों में सतत संघर्षरत रहना उनकी नस-नस में रचा बसा था। डॉ. अंबेडकर को भारत के संविधान निमार्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि मजदूरों व शोषितों के मसीहा के रूप में भी जाना जाता है। ऐसे कालखंड में जब भारत में मजदूर आंदोलन कुछ महत्वपूर्ण दौर में था, उस समय बाबासाहेब ने श्रमिक वर्ग के अधिकारों के लिए सतत संघर्ष किया। 1920 के दशक में भारत में कम्युनिस्ट मजदूर संगठनों का प्रभाव था। इन संगठनों ने बंबई के कपड़ा मिल मजदूरों का 1924, 1925, 1928 एवं 1929 में मिलों में हड़ताल के लिए आह्वान किया। 43 कपड़ा मिलों के लगभग 75,000 कर्मचारियों ने हड़ताल में हिस्सा लिया। इसके बाद दूसरे बड़े आंदोलन के तहत श्रमिकों ने अप्रेल 1934 में कपड़ा मिलों में हड़ताल की। डॉ. अंबेडकर ने अपने बहिष्कृत भारत तथा जनता पत्रों के माध्यम से श्रमिकों को इन हड़तालों से दूरी बनाए रखने को कहा। क्योंकि यह राजनीति से प्रेरित थीं एवं श्रमिकों की आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे इन हड़तालों पर जाएं क्योंकि इससे उन्हें तुरंत भुखमरी का सामना करना पड़ता था। सो, कम्युनिस्टों ने डॉ. अंबेडकर को मजदूरों का शत्रु घोषित कर दिया गया।

स्वतंत्र मजदूर दल : 1937 के प्रारंभ में भारत सरकार के 1935 के कानून के अनुसार प्रांतों को स्वायत्तता मिलने और नया राज्य शासन शुरू होने की संभावना से हर दल चुनाव लड़ने की तैयारी में था। डॉ. अंबेडकर ने भी सहयोगियों से विचार कर अगस्त 1936 में स्वतंत्र मजदूर दल स्थापित किया। उन्होंने उसका घोषणा पत्र भी जारी किया जिसमें आश्वासन दिया गया कि श्रमिकों के लिए कानून बनाना, नौकरियां देना, पदच्युत करना, कारखानों में भर्ती देना, काम के अधिकतम घंटे व वेतन श्रेणी अर्जित छुट्टी देना, सस्ते और आरोग्यदायी आवासों की व्यवस्था इत्यादि के बारे में कानून बनाए जाएंगे।

रेलवे मजदूरों का संगठन : 12 फरवरी, 1938 को मनमाड में अस्पृश्य रेलवे मजदूरों की एक परिषद् में 20,000 मजदूरों की उपस्थिति में बाबासाहेब ने कहा- किशोरावस्था में मैंने अपने रिश्तेदारों को खाने के डिब्बे पहुंचाने का काम किया था, मजदूरों की समस्या के बारे में मुझे सूक्ष्म जानकारी है। उन्होंने कहा कि आजतक हम अस्पृश्य या दलित के रूप में इकट्ठे होते थे। लेकिन आज हम मजदूर के रूप में इकट्ठा हुए हैं। कहा जाता है कि मैं मजदूरों का दुश्मन हूं। वास्तव में ब्राह्मणशाही और पूंजीवाद ही मजदूरों का दुश्मन हैं।

अस्पृश्य मजदूरों की समस्या : डॉ. साहेब कहते हैं कि ऐसी अनेक नौकरियां होती हैं जहां अस्पृश्यता के कारण अस्पृश्य मजदूरों को उनसे अलग किया जाता है। कपड़ा मिलों में कुछ विभागों में अस्पृश्य मजदूर नहीं लिए जाते। रेलवे में तो गैंग-मैन की नौकरी में ही सड़ते रहना उनकी तकदीर है। इतना ही नहीं उन्हें कुली भी नियुक्त नहीं किया जाता। अस्पृश्य मजदूरों को सबसे कम मजदूरी पर रखा जाता है, कोई उन्नति नहीं होती। किन्तु जैसे ही मंदी आती है, उनको सबसे पहले निकाला जाता है और जब मांग बढ़ती है तब सबसे अंत में रोजगार मिलता है।

कार्लमार्क्स का सिद्धांत भारत में अनुपयुक्त : बाबासाहेब बताते हैं कि जिस प्रकार कार्लमार्क्स ने समाज को मालिक तथा मजदूर के नाम से दो वर्गों में बांटा था, भारतीय परिस्थितियों में यह नितांत गलत है। इस तरह का विभाजन भारत में नहीं हो सकता। सभी मजदूरों को मिला कर एक वर्ग समूह बन जाता है, वह यहां संभव नहीं है। हम सभी मजदूरों का मिलाकर एक संगठित समूह यहां कैसे बना सकते हैं? मजदूरों के अंदर एक सामूहिक एकता लाने के लिए उनको यह समझाना होगा कि उनके आपस की जो सामाजिक दूरियां और अशुद्ध भेदभाव हैं, वे दूर होने चाहिए। मैंने किसी भी श्रमिक नेता को इस सामाजिक भेदभाव के विरोध में बोलते हुए नहीं देखा। कम्युनिस्टों द्वारा चलाए गए मजदूर आंदोलन के बारे में उन्होंने कहा कि मेरा कम्युनिस्टों से संबंध रखना बिल्कुल संभव नहीं है। मैं कम्युनिस्टों का कट्टर दुश्मन हूं। उनका ठोस मत था कि कम्युनिस्ट राजनीतिक ध्येय सिद्धि के लिए मजदूरों का शोषण करते हैं।

कांग्रेस के साथ मत भिन्नता : 16 मई, 1938 को चिपलूण की सभा में उन्होंने कहा कि गांधी की मोहिनी विद्या मुझ पर प्रभाव नहीं डाल सकी। जवाहर लाल नेहरू और सुभाषचंद्र बोस गांधी की शरण में गये लेकिन मैं गांधी की शरण में कभी नहीं जाऊंगा। अगर किसी समय कांग्रेस में गया तो खुद की गुणवत्ता से वहां भी प्रभाव डालूंगा।

पिछले दस मास से मेरा खोती उन्मूलन विधेयक कांग्रेस ने जान-बूझकर पीछे छोड़ रखा है। इसी दरम्यान मध्य प्रांत के कांग्रेस के बड़े नेताओं में डॉ. नाभा. खरे को जबरदस्ती उपद्रवी ठहराकर खारिज कर दिया गया। डॉ. खरे को एक हरिजन मंत्री के बतौर लेने के संदर्भ में गांधीजी का विरोध था। जबकि गांधीजी ने डॉ. खरे के साथ मध्य प्रांत में हरिजन कार्य के लिए दौरा किया फिर भी गांधीजी ने डॉ. खरे को हरिजन मंत्री के रूप में लेने का कड़ा विरोध किया। सर्वेंट ऑफ इंडिया सोसायटी में आयोजित सभा की अध्यक्षता करते हुए डॉ. खरे ने कहा कि बहुमत के कारण राज्य शासन चलाने वाला दल भ्रष्ट बनता है। अपरिमित बहुमत से यह पूरी तरह समाप्त हो जाता है। इस राजनीतिक सुक्ति की उन्होंने सभी को याद दिलाई।

औद्योगिक कलह विधेयक 1938 : 15 सितंबर, 1938 को बंबई विधानसभा में यह विधेयक प्रस्तुत किया गया जिसका विरोध करते हुए डॉ. आंबेडकर ने कहा कि यह नया कानून मजदूरों द्वारा की जाने वाली हड़तालों को गैर कानूनी बताकर प्रतिबंध लगा देगा, यह उचित तरीका नहीं होगा। यह विधेयक श्रमिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करेगा और यह असंवैधानिक है। डॉ. आंबेडकर ने उस समय की अन्य मजदूर यूनियनों के साथ मिलकर संघर्ष कर हड़ताल की और सफलता प्राप्त की। इस कार्य के लिए उन्होंने कम्युनिस्टों की शक्ति को भी साथ लेकर मजदूरों का हड़ताल के लिए आह्वान किया। लेकिन कांग्रेस मंत्रिमंडल ने ठान लिया था कि यह विधेयक किसी भी हालत में मंजूर करा लेना है, और उन्होंने विधानसभा से उसे मंजूर करा ही लिया। कांग्रेस की इस दुराग्रही वृति का मजदूर संघों ने काला कानून कहकर विरोध किया। 7 नवंबर, 1938 को स्वतंत्र मजदूर दल और मिल मजदूर यूनियन एवं अन्य 60 विभिन्न मजदूर संघों ने मिलकर हड़ताल का शंखनाद किया। हड़ताल के एक दिन पहले सायंकाल लगभग 80,000 मजदूरों की एक प्रचंड सभा मजदूर मैदान, बंबई में हुई। उसकी नियंत्रण समिति में जमनादास अध्यक्ष व डॉ. आंबेडकर, डांगे, निमकर मिरजकर और प्रधान इस समिति के सदस्य चुने गए। 90 प्रतिशत स्वयंसेवक आंबेडकर के स्वतंत्र मजदूर दल के ही थे। 7 नवंबर की हड़ताल का महत्व इतना बढ़ गया कि संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के विख्यात किसान नेता स्वामी सहजानंद डॉ. अंबेडकर से बंबई में उनके निवास स्थान पर मिलने आए। उन्होंने उनसे ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ एकता के लिए कांग्रेस के साथ मिलने का आग्रह किया। डॉ. अंबेडकर ने कहा कि कांग्रेस ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ युद्ध पुकारा होता, तो मैं उस दल से मिल जाता, लेकिन यथार्थ में ऐसा नहीं है। कांग्रेस दल अपने हाथ में आए संविधानात्मक शासनतंत्र को पूंजीवादी और निरंतर स्वार्थ में लिप्त लोगों के कल्याण के लिए ही कार्यान्वित कर रही है। उसने किसान और मजदूर के कल्याण की बलि दे दी है। इस तरह के संगठनों में, मैं शामिल नहीं हो सकता। संविधान निर्माता के पूर्व श्रम मंत्री : बाबासाहेब आंबेडकर 1942-1946 के काल में वायसराय की काउंसिल में श्रम मंत्री के रूप में कार्य करते रहे। इस सीमित कालखंड में बाबासाहेब ने दलित श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। श्रम मंत्री के रूप में उन्होंने मजदूर तथा मालिकों को मिलाकर औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई-नई नीतियां स्थापित की।

# धुंधली पड़ी मध्यपूर्व में शांति की उम्मीद

**डॉ. एनके सोमानी, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार इस्लामाबाद में अमेरिका व ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते को लेकर हुई वार्ता बिना किसी निष्कर्ष तक पहुंचे समाप्त हो गई। कहा जा रहा है कि ईरान और अमेरिकी अधिकारियों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, परमाणु संवर्धन का अधिकार और प्रतिबंधों में राहत को लेकर सहमति नहीं बन पायी**

**डॉ. एनके सोमानी**

इस्लामाबाद में अमरीका व ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते को लेकर हुई वार्ता बिना किसी निष्कर्ष तक पहुंचे समाप्त हो गई। कहा जा रहा है कि ईरान और अमरीकी अधिकारियों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, परमाणु संवर्धन का अधिकार और प्रतिबंधों में राहत को लेकर सहमति न बन पाने के कारण वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म करनी पड़ी। वार्ता की विफलता के लिए ईरान ने वाशिंगटन को जिम्मेदार ठहराया है तो दूसरी तरफ अमरीका का कहना है कि उसके प्रतिनिधिमंडल ने लचीला और सहयोगात्मक रूख अपनाया, पर तेहरान के अड़ियल रवैये के कारण वार्ता अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। जिस अविश्वास और आपसी धमकियों के माहौल में दोनों पक्षों के बीच यह वार्ता हुई उसमें साफ था कि दशकों से चली आ रही समस्याओं का समाधान इस्लामाबाद की कुछ घंटों की बातचीत में होना मुश्किल है।

ऐसे में सवाल यह है कि कूटनीतिक समाधान के प्रयासों की विफलता के बाद अब मध्यपूर्व का क्या होगा? क्या सीजफायर आगे बढ़ेगा या खाड़ी में बमबारी जारी रहेगी? वार्ता की विफलता के बाद अमरीका की ओर से जो बयान आ रहे है, उसे देखकर तो यही लग रहा है कि मध्यपूर्व में युद्ध का दायरा और बढ़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ईरानी सभ्यता को समाप्त कर देने की धमकी के बाद गत सप्ताह जब ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर 15 दिनों के अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की तो यह विश्व समुदाय के लिए राहत की बड़ी खबर बनी। ट्रंप की घोषणा के बाद ईरान पर अमरीका के हमले रुक गए। ईरान ने भी अमेरिकी बेस पर हमले बंद कर दिए। शांति के स्थायी समाधान के लिए इस्लामाबाद में होने वाली बैठक के लिए अनुकूल माहौल बनता दिखा, लेकिन घोषणा के कुछ ही घंटों के बाद इजरायल ने लेबनान पर हमला कर अपनी मंशा जाहिर कर दी। हमले में 300 से अधिक लोग मारे गए जब कि डेढ़ हजार से अधिक लोग घायल हुए। पिछले तीन दशकों में लेबनान पर इजरायल का यह सबसे बड़ा हमला था। इजरायल का कहना था कि लेबनान युद्ध विराम का हिस्सा नहीं है इसलिए ईरान के साथ किया गया समझौता हिजबुल्लाह पर लागू नहीं होता है। बाद में ट्रंप ने भी यह बात दोहराई। दूसरी ओर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान और ईरान का मानना था कि लेबनान का फ्रंट भी 28 फरवरी के बाद (ईरान पर हमला) ही खुला था इसलिए लेबनान भी युद्ध विराम का हिस्सा होना चाहिए। हालांकि ईरानी प्रतिनिधिमंडल के इस्लामाबाद पंहुचने से पहले वाशिंगटन प्रशासन ने इजरायल से लेबनान पर हमले रोकने का आग्रह किया। अमेरिकी दबाव के बाद नेतन्याहू के तेवर नरम भी पड़े, पर वार्ता के दौरान वाशिंगटन अपने 15 सूत्री प्रस्ताव पर और तेहरान 10 सूत्री प्रस्ताव पर अड़ा रहा। मांगों को एकदम से स्वीकार या अस्वीकार करना किसी भी पक्ष के लिए आसान नहीं था। नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान व उसके प्रधानमंत्री व फील्ड मॉर्शल की सारी कवायद चौपट हो गई।

सच तो यह है कि परमाणु प्रतिबंधों पर तेहरान के अडिग रहने के पीछे रणनीतिक सोच छिपी है। उसका मानना है परमाणु क्षमता उसे इजरायल व अमेरिकी हमलों के खिलाफ एक डेटरेंस प्रदान करती है। गतिरोध का दूसरा बड़ा मुद्दा होर्मुज स्ट्रेट का रहा। अमेरिका चाहता है कि होर्मुज से माल और तेल वाहक जहाजों का परिवहन पूरी तरह से खुल जाए और किसी तरह की रोक-टोक न हो जबकि ईरान इस पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। उसने टूक कहा कि जब तक होर्मुज को लेकर कोई साझा ढांचा तय नहीं होता है तब तक होर्मुज की स्थिति नहीं बदलेगी। यद्यपि वार्ता के बीच में यह भी खबर आई थी कि ईरान होर्मुज खोलने के लिए तैयार हो गया है, लेकिन उसका कहना था कि होर्मुज में बिछाई गई माइंस की सही लोकेशन का पता नहीं है।

सच तो यह है कि ईरान इन माइंस का उपयोग होर्मुज पर अपनी पकड़ बनाए रखने और अमरीका व उसके सहयोगियों पर दबाव डालने के लिए एक रणनीतिक उपकरण के रूप इस्तेमाल कर रहा है। दूसरी ओर समाचार यह भी है कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज से माइंस हटाने और सुरक्षित मार्ग बनाने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मध्यपूर्व पहले की तरह ही हिंसा और संघर्ष की आग मे धधकता रहेगा या अमेरिका, इजरायल और ईरान दुनिया को संभावित ऊर्जा संकट से बचाने के लिए अपने अंह को त्यागकर जल्द ही किसी सर्वमान्य फामूर्ले पर आगे बढ़ते दिखेंगे।

# क्या आप सफल हैं

**श्रीश्री रवि शंकर**

**चिंतन-मनन**

सफलता क्या है? वह मुस्कान जो कभी समाप्त न हो, सफलता की निशानी है। ऐसा आत्मविश्वास, जिसे कोई भी हिला न सके वह सफलता का संकेत है। जीवन में निडरता भी सफलता का संकेत है। एक सफल व्यक्ति कभी चोरी नहीं करेगा, क्योंकि वह जानता है कि वह कहीं भी जाए, समृद्धि प्राप्त कर सकता है। जब यह विश्वास होता है कि मैं कहीं भी समृद्धि प्राप्त कर सकता हूं , तो वह कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा जिसका परिणाम अंततः कारागृह हो।

खुशी और सफलता एक दूसरे से जुड़ी होनी चाहिए- किसी व्यक्ति को देखिए। क्या वह जीवंत है? क्या उसके अंदर पर्याप्त प्राण है या वह इतना थका-हारा और टूटा हुआ दिखता है कि किसी काम का नहीं लगता? हो सकता है आपके पास बहुत धन हो, लेकिन आपको मधुमेह है, कोलेस्ट्रॉल है, अनिद्रा है, उच्च रक्तचाप है, तब आप सुख सुविधाओं का आनंद भी नहीं ले पाते। हम अपनी आधी सेहत धन कमाने में खर्च कर देते हैं और फिर आधा धन सेहत वापस पाने में लगा देते हैं। खुशी और सफलता एक-दूसरे से जुड़ी होनी चाहिए।

प्रतिकूल परिस्थितियों में व्यक्तित्व की परीक्षा-जब कभी व्यक्ति, स्थान या परिस्थितियां आपके विपरीत होती हैं, तब मनुष्य अकसर उनसे प्रभावित होकर स्वयं भी दबाव में आ जाता है। व्यक्तियों परिस्थितियों से घिरकर हम कभी-कभी भीतर से बोझिल महसूस करने लगते हैं। लेकिन यदि ऐसे समय में आपका ध्यान ज्ञान और विवेक पर टिके, तो आप इन सब परिस्थितियों से बहुत सुंदर ढंग से बाहर निकल सकते हैं। यही ज्ञान का वास्तविक लाभ है। जब आपके पास ज्ञान और विवेक होता है, तब विपरीत परिस्थितियां भी आपको अधोगति की ओर नहीं ले जाती है, बल्कि वे आपके लिए विकसित होने और प्रगतिशील होने का अवसर बन जाती हैं। तब आप हर प्रकार की कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कराते हुए आगे बढ़ सकते हैं और आपका व्यक्तित्व और भी अधिक निखरकर सामने आ जाता है। गरिमा बनाए रखना महत्त्वपूर्ण- इसलिए अपने मन में एक दृढ़ संकल्प रखिए कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मैं मुस्कराते हुए आगे बढ़ूंगा और अधिक उज्ज्वल होकर उभरूंगा।

## आपके पत्र

### एक युग का अंत

भारतीय संगीत जगत गहरे शोक में डूबा हुआ है, क्योंकि आशा भोंसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने अपने जीवन के बानवे वर्षों में जो संगीत साधना की, वह केवल एक कलाकार का सफर नहीं था, बल्कि वह भारत की सांस्कृतिक आत्मा की आवाज बन गया था। उनके निधन के साथ ही एक ऐसा युग समाप्त हो गया है जिसने पीढ़ियों को सुरों से जोड़े रखा और संगीत को जीवन का उत्सव बना दिया।

आशा भोंसले का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रसिद्ध कलाकार थे और घर में संगीत का वातावरण था। लेकिन बचपन आसान नहीं था। पिता के निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट छा गया। इस कठिन समय में इस परिवार ने कई कुछ सीखा।

**अनुराग, रांची**

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

## न्यूज IN ब्रीफ

### अज्ञात अपराधी ने मारी गोली खिलौना बेच रहा दुकानदार घायल

**साहिबगंज :** जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत साक्षरता मोड स्थित यज्ञ स्थल के समीप खिलौना बेच रहे शिव कुमार मंडल उम्र 25 वर्ष को बीते रात लगभग 12:00 बजे के बाद अज्ञात अपराधी ने गोली मारकर फरार हो गया।गोली लगने से शिवकुमार मंडल दुकानदार बुरी तरह घायल हो गया। वहीं स्थानीय लोग के द्वारा आनंन फानन मे इलाज हेतु जिला सदर अस्पताल भेजा जहां अस्पताल में ड्यूटी में कार्यरत मुकेश कुमार के द्वारा इलाज करते हुए इसकी सूचना जिरवाबाडी थाना प्रभारी को दी ।समाचार लिखे जाने तक कानूनी प्रक्रिया जारी थी।

### आंबेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है : रामाकांत

**साहिबगंज :** आंबेडकर जयंती को लेकर शहर के नगर क्षेत्र स्थित नगर पालिका परिसर में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के जेई रामाकांत पासवान के द्वारा भीमराव अंबेडकर के 136 वा जयंती पर माल अर्पण करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म दिन 14 अप्रैल को पर्व के रूप में भारत समेत पूरे विश्व में मनाया जाता है।विशेष रूप से भारत और सम्पूर्ण विश्व के अम्बेडकरवादी बौद्धों द्वारा जीवन भर समानता के लिए संघर्ष करने वाले आंबेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है। आंबेडकर को विश्व भर में उनके मानवा धिकार आंदोलन संविधान निमार्ता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं। और यह दिवस उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। आंबेडकर की पहली जयंती सदाशिव रणपिसे इन्होंने 14 अप्रैल 1928 में पुणे नगर में मनाई थी। रणपिसे आंबेडकर के अनुयायी थे। उन्होंने आंबेडकर जयंती की प्रथा शुरू की और भीम जयंती के अवसरों पर बाबासाहेब की प्रतिमा हाथी के अंबारी में रखकर रथ से, ऊँट के ऊपर कई मिरवणुक निकाली गई थी। इस माल्यअर्पण मैं मैं सिविल सर्जन डॉ रामदेव पसवान अनूप हरि अनिल कुमार पासवान रंजन पसवान पगलू पासवान रविंद्र पासवान सहीत दर्जनों लोगों के द्वारा जयंती के अवसर पर जुलूस निकाल काल कर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

### नागा साधुओं से आशीर्वाद ले रहे हैं लोग

**साहिबगंज :** 11 कुंडिय श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के आज छठे दिन मंगलवार को सुबह विधिवत रूप से वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन करके हवन किया जा रहा है। वही महिला पुरुष श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा लगा रहे है और देवी देवताओं का पूजन पाठ कर रहे है। साधु संत महात्मा नागा साधु से आशीर्वाद ले रहे है। वही देश के अलग अलग क्षेत्रों से यज्ञ परिसर में आए नागा साधु ने विश्व के लिए संदेश दिया। उसके बाद नागा साधु संत महात्मा सभी अपने तप में बैठ गए है। अभी भी साधु संत महात्मा का यज्ञ परिसर में आना जारी है।

### विशुक्कनी शुभ वस्तुओं के दर्शन का विशेष महत्व है : मुकेश मिश्रा

**साहिबगंज :** सुबह से ही सनातनी धर्म मानने वाले लोगों का भीड गंगा स्नान करने के बाद बाबाभलेनाथ का पूजार्चना करते नजर आए। इस संदर्भ में पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि विशु केरल और तटीय कर्नाटक में मनाया जाने वाला मलयाली नव वर्ष है जो आमतौर पर अप्रैल मध्य मेदम महीने की पहली तारीख में आता है। यह सूर्य के मेष राशि में प्रवेश बसंत ऋतु की शुरूआत, फसल कटाई की खुशी और समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु,कृष्ण की पूजा और 'विशुक्कनी' शुभ वस्तुओं के दर्शन का विशेष महत्व है। विशु पर्व मनाने के मुख्य कारण और महत्व मलयाली नव वर्ष यह मलयालम पंचांग के अनुसार मेदम महीने की पहली तारीख को नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है।सूर्य का राशि परिवर्तन इस दिन सूर्य मेष राशि मेदम में प्रवेश करता है, जिसे सौर नव वर्ष की शुरूआत माना जाता है।फसल का त्योहार यह कृषि से जुड़ा त्योहार है।जिसमें नई फसल धान, फल कटने की खुशी में भगवान को भोग लगाया जाता है।विशुक्कनी यह सबसे महत्वपूर्ण परंपरा है। जिसमें सुबह उठकर सबसे पहले शुभ वस्तुओं जैसे फल, फूल, सोना, सिक्के, दर्पण और भगवान विष्णु की मूर्ति के दर्शन किए जाते हैं, ताकि पूरा वर्ष शुभ रहे। पौराणिक महत्वमान्यता है कि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर का वध किया था।समृद्धि की कामना लोग इस दिन नई पोशाक पहनते हैं, 'विशु-कन्नी' बड़ों द्वारा छोटों को दिया जाने वाला पैसाउपहार का आदान-प्रदान करते हैं और स्वादिष्ट भोजन साधिया का आनंद लेते हैं। संक्षेप में, विशु सकारात्मकता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आने वाले वर्ष में सुख-समृद्धि की उम्मीद का त्योहार है।

# सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही प्रशासन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए : सांसद

## स्वास्थ्य जल आपूर्ति सोलर लाइट अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने रखी समस्याएं त्वरित समाधान के निर्देश

संवाददाता

**साहिबगंज :** समाहरणालय सभागार में राजमहल लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद सह जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के अध्यक्ष विजय कुमार हांसदा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना, उनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की पहचान करना तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था।बैठक में जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर माननीय राजमहल विधायक मो0 ताजुद्दीन, माननीय बोरियो विधायक धनंजय सोरेन, माननीय पाकुड़ विधायक निसार आलम, जिला परिषद अध्यक्षा मोनिका किस्कु जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, डीएलएसएचए समिति के सदस्य एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखा गया तथा उनके समाधान हेतु आवश्यक सुझाव दिए गए। राजमहल विधायक द्वारा अनुमंडल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा के अभाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक के अभाव में आमजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर माननीय सांसद द्वारा डीएमएफटी मद से चिकित्सक की नियुक्ति करने का निर्देश दिया गया।वहीं बरहेट विधायक प्रतिनिधि द्वारा यह मुद्दा उठाया गया कि जिले में नियुक्त चिकित्सक कुछ ही महीनों में त्यागपत्र देकर चले जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं। इस पर सुझाव दिया गया कि चिकित्सकों की नियुक्ति में कम से कम दो वर्षों का अनिवार्य सेवा अनुबंध एग्रीमेंट लागू किया जाए, ताकि स्थायित्व सुनिश्चित हो सके। यह भी निर्देश दिया गया कि राजमहल अनुमंडल अस्पताल में आगामी 20 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से अल्ट्रासाउंड सेवा एवं बेड साइड ऑक्सीजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। पाकुड़ विधायक द्वारा अपने क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड एवं महिला चिकित्सकों की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाया गया। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से महिला मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस पर माननीय सांसद ने राज्य स्वास्थ्य विभाग को पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जल जीवन मिशन के अंतर्गत सोलर पंपों की मरम्मत को लेकर भी चर्चा की गई। माननीय सांसद ने बताया कि पूर्व में दिए गए निर्देश के अनुपालन में जिले में तीन मरम्मती केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने निर्देश दिया कि सभी क्षेत्रों में खराब पड़े चापाकल, बोरिंग एवं जलमीनार का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि उनकी शीघ्र मरम्मत कराई जा सके और पेयजल आपूर्ति सुचारू हो सके।जरेडा द्वारा स्थापित सोलर लाइटों के खराब होने का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया। राजमहल विधायक ने जानकारी दी कि जिले में बड़ी संख्या में सोलर लाइट खराब पड़ी हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अंधेरा छाया रहता है। इस पर संबंधित विभाग को सभी खराब सोलर लाइटों की मरम्मत शीघ्र कराने का निर्देश दिया गया।पाकुड़ विधायक द्वारा कोटालपोखर क्षेत्र के श्रीकुंड में अतिक्रमण का मुद्दा उठाया गया। इस पर प्रशासन को अतिक्रमण हटाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, ताकि सार्वजनिक भूमि का उपयोग जनहित में किया जा सके।वहीं बरहेट विधायक प्रतिनिधि द्वारा शहर में बढ़ती यातायात जाम की समस्या को देखते हुए ग्रीन होटल से बांटा रोड तक स्थित स्ट्रीट वेंडरों को वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित करने का सुझाव दिया गया। इस पर प्रशासन को समुचित योजना बनाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। सांसद ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और समयबद्ध तरीके से कार्यों को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही प्रशासन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।अंत में माननीय सांसद ने सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया।ताकि जिले के समग्र विकास को गति दी जा सके।मौके पर सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना को लेकर संचालन प्रक्रिया प्रारंभ करने पर विचार

संवाददाता

**साहिबगंज :** उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला खेल विभाग व पर्यटन विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल गतिविधियों के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और आधारभूत संरचना के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखंड, राँची के निर्देश के आलोक में बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह स्थित सिद्धो-कान्हू स्टेडियम में 25 आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना को लेकर यथाशीघ्र संचालन प्रक्रिया प्रारंभ करने पर विचार किया गया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि जब तक वहां आवश्यक आधारभूत संरचना का पूर्ण विकास नहीं हो जाता तब तक साहेबगंज स्थित सिद्धो-कान्हू स्टेडियम के 50 बेड वाले खेल छात्रावास में ही प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जाएगा।उपायुक्त ने डे-बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स प्रशिक्षण केन्द्र, साहेबगंज में प्रशिक्षक की शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। साथ ही नवसृजित फुटबॉल प्रशिक्षण केन्द्र के लिए प्रशिक्षक की पदस्थापना हेतु विभाग को पत्राचार करने तथा तब तक जिला मुख्यालय में पदस्थापित खेल शिक्षक की प्रतिनियुक्ति पर विचार करने को कहा गया।बैठक में आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केन्द्र, सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहेबगंज सहित अन्य प्रशिक्षण केन्द्रों में रिक्त प्रशिक्षुओं के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त डे-बोर्डिंग बालिका एवं बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केन्द्रों में भी रिक्त सीटों को भरने पर बल दिया गया।सिद्धो-कान्हू स्टेडियम के गैलरी विस्तार के मद्देनजर सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को नव-निर्मित विज्ञान भवन के समीप स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 8 लेन सिंथेटिक ट्रैक निर्माण हेतु विभाग को प्रस्ताव भेजने पर विचार किया गया।इसके अलावा निमार्णाधीन फुटसल पिच के समीप बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल कोर्ट निर्माण तथा जिले के विभिन्न प्रखंडों में डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र खोलने के लिए विभाग को पुनः पत्राचार करने के निर्देश दिए गए।बैठक में जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

# डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट माही स्पॉट्स येलो ने 26 रन से जीत

संवाददाता

**साहिबगंज :** जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूनार्मेंट के तहत सोमवार को दो मैच हुए। पहला मैच माही स्पोर्ट्स येलो बनाम रेलवे स्कूल जबकि दूसरा मैच संत जेवियर बी बनाम राजमहल स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। पहले मैच में माही स्पोर्ट्स येलो ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। ऋषभ राज ने 51, राकेश ने 36 व विराट ने 36 रन की पारी खेली। रेलवे स्कूल के गेंदबाज सुशांत ने 4 व जीशान ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे स्कूल की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। उमंग आनंद ने 55, अमन अंसारी ने 27 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज वमीक नईम ने 4, अमन ने 3 व ऋषभ ने 2 विकेट लिए। माही स्पॉट्स येलो ने 26 रन से जीत दर्ज की। माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी प्रिंस राज को मुख्य अतिथि अनिल गुप्ता ने प्रिंस राज को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में राजमहल स्पोर्टिंग ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए। हजरत शेख में नाबाद 41 व देवराज ने 17 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल बी के गेंदबाज आदित्य ने 3 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर स्कूल बी की टीम 11.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 123 रन बना कर 8 विकेट से मैच जीत लिया। संतोष राज ने नाबाद 92 व अश्विनी ने 15 रन की पारी खेली। राजमहल स्पोर्टिंग स्वयं साहा व जीत कुमार ने 1-1 विकेट लिया। संत जेवियर स्कूल बी के खिलाड़ी संतोष राज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुख्य अतिथि चतुरानंद पांडेय ने संतोष राज को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम, मो हयातुल्लाह व तारिक अनवर जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन तिवारी कर रहे थे। मौके पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा सहित अन्य मौजूद थे।

# यज्ञ मंडप की परिक्रमा करना अत्यंत कल्याणकारी व लाभदायक होता है : महामंडलेश्वर

## 50 से ज्यादा नागा साधु पहुंचें यज्ञ परिसर, घोर तपस्या में हुए लीन

संवाददाता

**साहिबगंज :** अपने बच्चों को अपने सनातन धर्म से जोड़कर रखे, धर्म का ज्ञान दे, धार्मिक आयोजन में पूरे परिवार के साथ जाए ताकि युवा पीढ़ी में धर्म शास्त्र सनातन संस्कृति का ज्ञान हो।उक्त बाते महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने कहा।शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर समीप आयोजित श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पांचवे दिन सोमवार को पांचवे दिन सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 21 सदस्यी पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया।सुबह, दोपहर व संध्या बेला में पूजन किया ओर आरती किया गया।वही देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु संत महात्मा ओर नागा साधु का आगमन महायज्ञ परिसर में हुआ।महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा करना अत्यंत कल्याणकारी और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध माना जाता है।इससे मनोवांछित फल और सुख-शांति मिलती है,शरीर को निरोगी बनाता है,जीवन की आपदाओं को दूर करता है।यह दिव्य ऊर्जा से जुड़े रहने का एक अनूठा अवसर है।यज्ञ मंडप का सच्ची निष्ठा से परिक्रमा करने से जन्म-जन्मांतर के पापों का क्षय होता है और आत्मा पवित्र होता है।भक्तों का मनोरथ पूरा होता हैं। यज्ञ स्थान पर 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास होता है, यज्ञ मंडप की परिक्रमा से चारों धामों की यात्रा का फल मिलता है।वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिक्रमा करने से सकारात्मकता बढ़ती है और मानसिक अशांति दूर होती है।महायज्ञ में भाग लेने वाले और परिक्रमा करने वाले लोग बहुत सौभाग्यशाली होते हैं,जिन्हें भगवान लक्ष्मी नारायण की कृपा प्राप्त होती है।परिक्रमा हमेशा घड़ी की दिशा में,यानी अपने दाहिने हाथ की ओर से करनी चाहिए।वही महायज्ञ परिसर में सुबह से ही शहर,जिला के सभी प्रखंड सहित जिला के आसपास के सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचकर यज्ञ मंडप की परिक्रमा करके देवी देवताओं का पूजन करके,साधु संत महात्मा नागा साधु का आशीर्वाद लेकर भव्य महायज्ञ के मेला का आनंद लेकर भंडारा प्रसाद ग्रहण कर रहे है।वही वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है। महायज्ञ परिसर में देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर कथा, रासलीला, भंडारा स्वरूप प्रसाद ओर मेला का आनंद उठा रहे है। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष विमल यादव ने बताया कि मेला में श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है,पुलिस बल तैनात है और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात है।श्रद्धालु ज्यादा से ज्यादा पहुंचकर महायज्ञ में देवी देवताओं का पूजन करके साधु संत महात्मा का आशीर्वाद ले,मेला का आनंद ओर भंडारा प्रसाद ग्रहण करें।

पांचवे दिन रासलीला में श्रीकृष्ण के नाग नाथन लीला दिखाया गया

साहिबगंज श्री श्री 1008 श्री 11 कुणात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पांचवे दिन की संध्या बेला में कथा किया गया ओर वृंदावन से आए रासलीला की टीम ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में नाग नाथन लीला को दिखाया।महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि रासलीला में प्रभु श्री कृष्ण कलिया नाग को यमुना जी से निकाल कर लाएंगे और कलिया नाग से युद्ध करना ओर उसके ऊपर नृत्य करना,नागिनों से प्रभु का संवाद करना,नील कमल का फूल मंगवाना ओर कंस का दरबार में राक्षसों का विशाल सभा आयोजन को रासलीला प्रसंग में श्रद्धालुओं को संध्या बेला से देर रात्री तक दिखाया गया।वही रासलीला देखने हजारों की संख्या में श्रद्धालु महायज्ञ परिसर पहुंचकर आनंद ले रहे हैं।न्यास हरमुनियम पर हरि ओम दास जी,तबले पर सुरेश पांडे,कंस के वेश में चंद्रभान पाठक,चांदुल के वेश में मुन्ना पाठक,तोशक का कार्य श्याम सुंदर,श्रीकृष्ण के सखा बनकर हंसाने का कार्य खेनचंद्र ,यशोदा का कार्य राहुल,नंद बाबा का वेश में हरे कृष्ण, गोपियों के वेश में योगेश ऋतिक सहित अन्य ने किया।मौके पर दर्जनों साधु संत महात्मा,यज्ञ समिति सदस्य व हजारों महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

# एसीबी विक्रांत में विनय आनंद की दमदार वापसी

**भोजपुरी** सिनेमा के चर्चित अभिनेता विनय आनंद ने लंबे अंतराल के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शानदार वापसी करते हुए एकता कपूर और शोभा कपूर की वेब सीरीज एसीपी विक्रांत में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से भरपूर सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि विनय आनंद ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत हिंदी फिल्मों से की। इसके बाद भोजपुरी सिनेमा में भी उन्होंने कई सफल फिल्मों में अभिनय कर दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई। बॉलीवुड और भोजपुरी,दोनों इंडस्ट्री में सक्रिय रहते हुए विनय आनंद ने अपने 27 वर्षों के फिल्मी सफर में लगातार अपनी प्रतिभा को निखारा है।

वर्षों के अनुभव और मेहनत का ही परिणाम है कि आज भी वे अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। अब वे वेब सीरीज एसीपी विक्रांत के माध्यम से एक बार फिर चर्चा में हैं, जहां उन्होंने यह साबित कर दिया है कि उनकी अभिनय क्षमता समय के साथ और अधिक परिपक्व एवं प्रभावशाली हुई है। इस सीरीज में उनके साथ शरद मल्होत्रा भी नजर आ रहे हैं, लेकिन विनय आनंद का अभिनय विशेष रूप से दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। सीरीज में विनय आनंद का किरदार गहराई, संवेदनशीलता और तीव्रता से भरपूर है, जिसे उन्होंने बेहद प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा है। अपने सशक्त अभिनय से उन्होंने हर दृश्य में जान डाल दी है, जिससे उनका प्रदर्शन किसी अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस से कम नहीं लग रहा। सोशल मीडिया पर भी दर्शक उनके अभिनय की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं और उन्हें इस वेब सीरीज की सबसे मजबूत कड़ी बता रहे हैं। आलोचकों और दर्शकों की मानें तो विनय आनंद ने अपने अनुभव, संवाद अदायगी और स्क्रीन प्रेजेंस से एसीपी विक्रांत को नई ऊंचाई दी है, जो उनके शानदार अभिनय कौशल का प्रमाण है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि एसीपी विक्रांत विनय आनंद के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। लंबे समय बाद वापसी करने के बावजूद जिस आत्मविश्वास और परिपक्वता के साथ उन्होंने अपने किरदार को निभाया है, वह काबिले-तारीफ है।

# जह्नावी कपूर का बोल्ड और ब्यूटीफुल लुक, बैकलेस ने लूटा फैंस का दिल

**बॉलीवुड** की धड़क गर्ल जह्नावी कपूर न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि शानदार फैशन सेंस के लिए भी सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट फोटोशूट की झलक शेयर की, जिसने आते ही इंटरनेट पर हलचल मचा दी। सफेद रंग के इस लुक में उनका अंदाज बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजर आ रहा है।

तस्वीरों में जह्नावी कपूर व्हाइट कलर के बैकलेस आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। उनका यह स्टाइलिश और एलीगेंट लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने इस ड्रेस को बेहद ग्रेस के साथ कैरी किया है, जबकि बैकलेस डिजाइन ने उनके पूरे लुक में ग्लैमर का तड़का लगा दिया है।

जैसे ही ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, वैसे ही वायरल हो गईं। फैंस के साथ-साथ कई सेलेब्रिटीज भी उनके इस नए अवतार की तारीफ करते नहीं थक रहे। लोग उन्हें स्टनिंग और गॉर्जियस बताते हुए उनकी जमकर सराहना कर रहे हैं।

जाह्नवी का कॉन्फिडेंस और उनका फैशन सेंस हमेशा चर्चा में रहता है। वह अक्सर ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक में नए-नए एक्सपेरिमेंट करती नजर आती हैं और हर बार अपने स्टाइल से फैंस का दिल जीत लेती हैं। इस बार भी उन्होंने एक सिंपल व्हाइट आउटफिट को ट्रेंडी और ग्लैमरस अंदाज में पेश कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें, तो जह्नावी कपूर हाल ही में फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आई थीं।

इससे पहले वह मिस्टर एंड मिसेज माहीऔर उलझ जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखा चुकी हैं। आने वाले समय में वह फें उँ१ल्ल के साथ फिल्म पेड्डी में दिखाई देंगी। इसके अलावा उनके पास लग जा गले जैसे प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं।

# इंतजार खत्म! 'भूत बंगला' की एडवांस बुकिंग आज से शुरू

**'भूत बंगला'** के अनाउंसमेंट ने जहां पहले ही जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी थी, वहीं अब इसके ट्रेलर ने इसकी अनोखी दुनिया की एक रोमांचक झलक दिखा दी है। रोंगटे खड़े कर देने वाले हॉरर और पेट पकड़कर हंसाने वाले कॉमेडी पलों के मेल के साथ, यह फिल्म एक बेहतरीन फैमिली एंटरटेनर होने का वादा करती है। इसके गाने पहले से ही लोगों के बीच जिज्ञासा बढ़ा रहे हैं और फिल्म को लेकर बज और भी मजबूत होता जा रहा है, इसलिए इंतजार न करें और अपनी टिकटें अभी बुक करें क्योंकि एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर खुल गई है!

जैसे-जैसे 'भूत बंगला' अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है, फिल्म को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। आखिरकार, इंतजार खत्म हुआ, अब आप अपनी सीटें बुक कर सकते हैं क्योंकि एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। दर्शकों के बीच इस जबरदस्त क्रेज को देखते हुए, यह तय है कि लोग बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में उमड़ेंगे और यह फिल्म नए रिकॉर्ड बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'भूत बंगला' के साथ अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की वह जोड़ी वापस लौट रही है जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था। इस जोड़ी ने पहले भी कई ऐसी आइकॉनिक कॉमेडी फि ल्में दी हैं जो आज भी लोगों की पसंदीदा हैं, इसीलिए इस बार इनका साथ आना दर्शकों के लिए बेहद एक्साइटिंग है। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और मजेदार कहानी कहने के अंदाज के लिए मशहूर इस जोड़ी से एक बार फिर एक यादगार एंटरटेनर की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन), केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से पेश करते हैं अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव स्टारर 'भूत बंगला'। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई 'भूत बंगला' के पेड प्रिव्यू थिएटर्स में 16 अप्रैल 2026 को रात 9 बजे से शुरू होंगे।

### वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप की प्राइज मनी का ऐलान

# विश्व विजेताओं को 81.83 करोड़ रुपए देगी आईसीसी

**एजेंसी/ दुबई:** आईसीसी ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी $8,764,615 यानी करीब 81 करोड़ 83 लाख रुपए होगी। 2024 में हुए पिछले महीने टी-20 विश्व कप से यह 10 प्रतिशत ज्यादा है। चैंपियन बनने वाली टीम को $2,340,000 यानी करोब 21 करोड़ 84 लाख रुपए मिलेंगे। आईपीएल की विजेता टीम को बीसीसीआई 20 करोड़ रुपए देती है। आईसीसी फाइनल में हारने वाली टीम को $1,170,000 देगी। यह भारतीय रुपए में करीब 11 करोड़ होता है।

सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को $675,000 मिलेंगे, जबकि ग्रुप मैच में हर जीत पर टीमों को $31,154 मिलेंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम को कम से कम 247,500 डालर यानी 2 करोड़ 31 लाख रुपए का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।

टूर्नामेंट 12 जून सेः महिला टी-20 विश्व कप में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अभी तक इसमें 10 टीमें हिस्सा ले रही थीं। 12 जून को इस टूर्नामेंट की शुरूआत होगी। इंग्लैंड और वेल्स के पास इस बार मेजबानी है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा।

# हार्दिक पर जुर्माना, टिम डेविड भी नपे, आरसीबी के बल्लेबाज पर अंपायर को गेंद न लौटाने पर एक्शन

**मुंबई:** मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुमार्ना लगाया है। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम का यह पहला अपराध था, इसलिए उन पर 12 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। आरसीबी के खिलाफ 20 ओवर में पूरे करने के लिए मुंबई ने दो घंटे से ज्यादा का समय लिया था। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मुंबई इंडियंस के मैच के दौरान अंपायर के बार-बार कहने पर भी बॉल उन्हें नहीं दे रहे थे। वह गेंद को लगातार उछालकर चैक कर रहे थे। इसकी वजह से टिम डेविड पर मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

इसके साथ ही खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने पर एक डिमेरिट प्वाइंट मिला। आईपीएल मीडिया रिलीज में कहा गया है, डेविड को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.4 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो मैच के दौरान अंपायर के निदेर्शों की अवहेलना करने से संबंधित है। पहली घटना तब हुई जब अंपायरों ने आरसीबी की पारी के 18वें ओवर के दौरान गेंद बदली। वह गेंद को देखना चाहते थे और बार-बार कहे जाने के बावजूद उन्होंने गेंद अंपायरों को नहीं सौंपी। दूसरी घटना 20वें ओवर के दौरान हुई, जब उन्होंने फिर से गेंद अंपायरों को नहीं सौंपी। यह अंपायरों के निदेर्शों या आदेशों का पालन करने में बार-बार की गई विफलता मानी गई।

### लताआशा मंगेशकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनने की हुई घोषणा

**एक** महत्वपूर्ण और भावनात्मक निर्णय में, लता मंगेशकर मेडिकल फाउंडेशन के ट्रस्टी बोर्ड ने पुणे के पास नंदोशी में बनने वाले अपने आगामी अस्पताल प्रोजेक्ट का नाम बदलकर लताआशा मंगेशकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रखने का निर्णय लिया है।

रविवार, 12 अप्रैल को आशा भोसले के निधन के पश्चात, इस कार्यक्रम में अब शिलान्यास समारोह के साथ एक श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की जाएगी, जिससे यह अवसर एक ओर श्रद्धा और स्मरण का प्रतीक होगा, तो दूसरी ओर भविष्य की ओर बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण कदम भी बनेगा।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक टङ्खँल्ल ईँ६३ करेंगे। मंगेशकर और भोसले परिवार के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

यह अस्पताल जब उनके दोनों नामों के साथ जुड़ता है, तो यह बिल्कुल सही प्रतीत होता है। यह संस्थान लता दीदी और आशा ताई दोनों के नाम पर होगा, और हम इसे एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक बनाने का प्रयास करेंगे।

-ऐसे समय में, जब कर्तव्य निभाने की बात आती है, तो व्यक्तिगत शोक से ऊपर उठकर कर्तव्य को प्राथमिकता देना ही उचित लगा। आशा भोसले जी इस उद्घाटन में शामिल होने वाली थीं, क्योंकि हम लता दीदी के नाम पर अस्पताल बना रहे थे, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने हमारे स्वर्गीय पिता के नाम पर किया था।

### नए हेयरकट में छा गईं सोनम बवेजा बदले लुक ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

**पंजाबी** सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस और नेशनल क्रश सोनम बवेजा एक बार फिर अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर अपनी सादगी और ग्लैमरस अंदाज के लिए मशहूर सोनम ने हाल ही में अपने नए हेयरकट की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने उनके फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

एक्ट्रेस का यह मजाकिया और कॉन्फिडेंट अंदाज उनके चाहने वालों को बेहद पसंद आ रहा है। सोनम अक्सर अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं और इस बार का बैंग्स वाला लुक उन पर काफी जंच रहा है।

**कैसा है सोनम का नया लुक ? :** सोनम द्वारा साझा की गई तस्वीरों की सीरीज में वह एक सैलून की कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं।

यह स्टाइल उनके चेहरे को एक नया फ्रेम दे रहा है और उन्हें एक सॉफ्ट, यूथफुल लुक प्रदान कर रहा है।

तस्वीरों में सोनम ने भूरे रंग की ओवरसाइज्ड टी-शर्ट पहनी है। गले में एक पतली चेन और क्रॉस पेंडेंट उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। बिना किसी भारी मेकअप के भी सोनम का ग्लो साफ नजर आ रहा है। उनकी सादगी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह स्टाइल के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। वर्क फ्रंट की बातः सोनम बवेजा इन दिनों अपने कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर व्यस्त हैं। वह न केवल पंजाबी फिल्मों का बड़ा चेहरा हैं, बल्कि बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी उनकी जबरदस्त मांग है।

# आईपीएल 2026 : सीएसके जीत के जोश से लबरेज, केकेआर को अभी भी तलाश

### आज चेन्नई में शाम 7:30 बजे से टकराएंगे गायकवाड़-रहाणे

**एजेंसी/ चेन्नई:** पिछले मैच में जीत से उत्साहित चेन्नई सुपर किंग्स की टीम मंगलवार को चेन्नई में होने वाले आईपीएल के मैच में अब तक एक भी मैच न जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के खिलाफ दबदबा बनाने की कोशिश करेगी। सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। उसकी इस जीत के नायक संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 115 रन की पारी खेली। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने से सीएसके को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की छूट मिली, जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 212 रन का बचाव करने में सफल रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने आईपीएल पदार्पण पर प्रभावित किया। जेमी ओवरटन ने भी शानदार प्रदर्शन किया और लगातार अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए।

सत्र का अपना पहला मैच खेल रहे बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन ने पावरप्ले में सीएसके के गेंदबाजी आक्रमण को एक और आयाम प्रदान किया। अब सीएसके संघर्ष कर रही केकेआर के खिलाफ एक बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। टूर्नामेंट की शुरूआत में यह घोषणा की गई थी कि महेंद्र सिंह धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण कुछ हफ्तों के लिए बाहर रहेंगे। पिछले मैच में गायकवाड़ ने संकेत दिया था कि यह स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जल्द वापसी करेगा। दूसरी ओर केकेआर जीत के लिए बेताब है। कैमरन ग्रीन ने पिछले मैच में केकेआर के लिए गेंदबाजी की। यह ऑलराउंडर चेपॉक में शानदार प्रदर्शन करके अपनी मोटी कीमत को सही साबित करने की कोशिश करेगा। रहाणे ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभाव छोड़ा है।

## नोएडा में हिंसा के बाद सरकार ने बढ़ाई कर्मचारियों की सैलरी

**नोएडाः** सैलरी बढ़ाने के लिए नोएटा में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में श्रमिकों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद अंतरिम मजदूरी दरों में वृद्धि करते हुए नई दरें पहली अप्रैल, 2026 से लागू कर दी हैं। सरकारी आदेश के अनुसार मजदूरी दरों को तीन श्रेणियों गौतमबुद्ध नगर (नोएडा)-गाजियाबाद, नगर निगम क्षेत्र तथा अन्य जिलों में विभाजित किया गया है।

गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपए से बढ़ाकर 13,690 रुपए, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपए से बढ़ाकर 15,059 रुपए तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपए से बढ़ाकर 16,868 रुपए कर दी गई है। नगर निगम वाले अन्य शहरों में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,006 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपए से बढ़ाकर 14,306 रुपए तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपए से बढ़ाकर 16,025 निर्धारित की गई है। सरकार ने सोशल मीडिया पर न्यूनतम मजदूरी 20 हजार रुपए प्रतिमाह तय किए जाने के दावों को भ्रामक और निराधार बताया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक के बाद सोमवार देर रात लिया गया।

## बस-ट्रक के बीच टक्कर, बच्चे और महिला समेत तीन लोगों की मौत, तीस घायल

**अलवरः** राजस्थान में अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बस के ट्रक से टकराने से बस में सवार एक बालक और एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 30 लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर से सवारी लेकर एक निजी बस दिल्ली जा रही थी कि पिनान के दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया पर सुबह करीब साढ़े छह बजे आगे जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। ट्रक में रसायन से भरे ड्रम लदे थे। इस टक्कर से बस चालक, एक बालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि करीब 30 यात्री घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि घायलों को पिनान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद 10 घायलों को अलवर भेज दिया। घायलों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद पुलिस दो घंटे तक मौके पर नहीं पहुंची। घटना की जांच की जा रही है।

## अंबेडकर जयंती पर आज बंद रहेगा शेयर बाजार, नहीं होगी खरीद-बिक्री

**नई दिल्ली :** भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर जयंती के अवसर पर बंद रहेगा। इस दिन एक्सचेंज पर किसी भी प्रकार की खरीद-बिक्री नहीं की जाएगी। एक्सचेंज के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, इस दौरान इक्विटी के साथ डेरिवेटिव्स और एसएलबी (सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग) सेगमेंट में भी कारोबार पूरी तरह से बंद रहेगा। एक्सचेंज पर सामान्य कारोबारी गतिविधियों का संचालन बुधवार से किया जाएगा।

इसके अलावा, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) सुबह के सत्र में 9 बजे से लेकर शाम के 5 बजे तक बंद रहेगा, लेकिन शाम के सत्र 5 बजे से लेकर रात 11:30/11:55 तक में कारोबार सामान्य रहेगा। हालांकि, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) में कारोबार पूरे सत्र में बंद रहेगा। इसके बाद, भारतीय शेयर बाजार एक मई को महाराष्ट्र दिवस पर बंद रहेगा। वहीं, 28 मई को बरका ईद के चलते भारतीय शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी।भारतीय शेयर बाजार बंद हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार खुले हुए हैं। एशिया के ज्यादातर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है, जिसमें टोक्यो, सोल और जकार्ता में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी थी।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,847.57 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 50 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 23,842.65 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,682 अंक या 2.1 प्रतिशत गिरकर 75,868.32 के निचले स्तर पर पहुंच गया था, जबकि निफ्टी 495 अंक या 2 प्रतिशत गिरकर 23,555.60 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.57 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.46 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

## सड़क हादसे में महिला समेत 2 लोगों की मौत, डिवाइडर से टकराई बाइक,उड़े परखच्चे, मचा कोहराम

**मधुबनी :** बिहार में मधुबनी जिले के सकरी थाना क्षेत्र में सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। वहीं इस हादसे ने मौके पर चीख-पुकार मचा दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बाइक पर सवार दो युवक जा रहे थे। इस दौरान दौरान सड़क पार कर रही एक महिला अचानक सामने आ गई। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी। इस घटना में महिला और बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी। इस घटना में बाइक सवार एक अन्य युवक भी घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि मृतक युवक की पहचान सकरी थाना क्षेत्र के कन्हौली गांव निवासी ब्रह्मदेव यादव के पुत्र कन्हैया यादव के रूप में की गयी है।

बाबा साहेब की 135वीं जयंती

# राष्ट्रपति, पीएम मोदी समेत अन्य हस्तियों ने डॉ अंबेडकर को नमन किया

,8,लीड

**नई दिल्लीः** बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य सियासी हस्तियों ने उन्हें नमन किया। इसी के साथ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य सांसदों ने संसद परिसर में स्थित बीआर अंबेडकर प्रेरणा स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ''भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर, मैं उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। बाबासाहेब एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, गहन विचारक, विधि विद्वान और समतावादी सामाजिक व्यवस्था के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने अपना जीवन समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया और उनके हित में ऐतिहासिक योगदान दिया।'

**बाबा साहेब के आदर्शो को आत्मसात करें :** राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ''उन्होंने न केवल असमानताओं को दूर करने का मार्ग दिखाया, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। डॉ. अंबेडकर ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दी। उनके बहुआयामी योगदान आने वाली पीढ़ियों को देश की सेवा और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर, आइए हम बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और एक न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लें।''

**राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के प्रयास प्रेरणादायक :** पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण में उनके प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उनका जीवन और कार्य पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा।''

**बाबा साहेब की विरासत को कमजोर करने में लगीं कुछ ताकतें :** राहुल गांधी कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, ''बाबा साहेब ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया। लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने में लगी हैं - लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है, और समता की सोच पर हमला हो रहा है। यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है - मैं पूरी शक्ति के साथ, आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। आप सभी को अंबेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।''

**बाबा साहेब ने किया था धारा 370 का विरोध :** अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ''बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी ने हर वर्ग को समान अधिकार और अवसरों की स्वतंत्रता देने वाला संविधान देकर हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश की अखंडता के लिए धारा 370 का मजबूती से विरोध किया। समाज को शिक्षित बनने और संगठित रहने का मंत्र देने वाले बाबासाहेब का जीवन यह सिखाता है कि जब संकल्प देशसेवा और लोगों के कल्याण का हो, तब हर बाधा छोटी हो जाती है। सामाजिक न्याय के पुरोधा, संविधान शिल्पी बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर नमन।''

राजनाथ सिंह ने भी किया बाबा साहेब को नमनः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी, महान समाज-सुधारक और सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! बाबासाहेब ने आजीवन समाज में समता और समरसता बढ़ाने के लिए कार्य किया। उनका पूरा जीवन वंचित वर्ग के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए समर्पित था। बाबासाहब एक महान विचारक और देश की अनेक संस्थाओं के निमार्ता भी थे। विपरीत परिस्थितियों में भी बाबासाहब ने असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं और राष्ट्र निर्माण में अमिट योगदान दिया।''

बंगाल में शाह की हुंकार

## नहीं करने देंगे चार शादियां, बीजेपी की सरकार बनते ही राज्य में लागू करेंगे यूसीसी

**एजेंसी/ कोलकाताः** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बर्धमान की रैली में कहा कि बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने पर यहां यूसीसी लागू करेंगे और कुछ लोगों को चार शादियां नहीं करने देंगे। इसके साथ ही उन्होंने पांडेश्वर के भाजपा के उम्मीदवार जितेंद्र तिवारी का परिचय कराते हुए कहा कि पिछले चुनाव में जितेंद्र तिवारी बहुत कम वोटों से पिछड़ गए थे। इस बार आप इन्हें विजयी बनाकर भेजो, हम तिवारी को बड़ा आदमी बनाएंगे। शाह ने कहा कि कुछ लोगों को चार शादियों की छूट है।

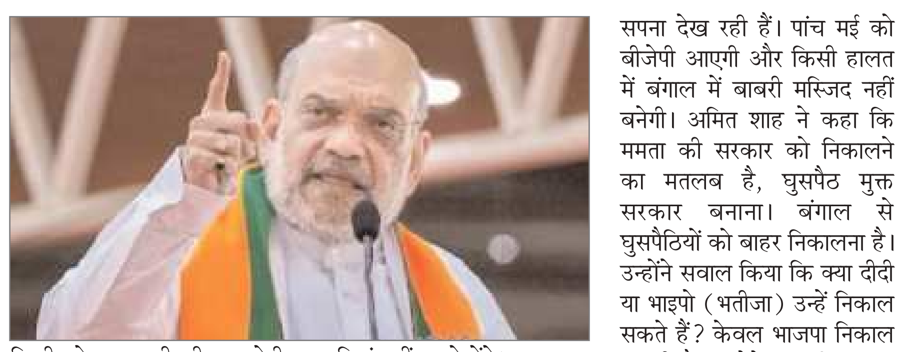

किसी को चार शादी की छूट होनी चाहिए क्या? पांच मई को भाजपा सरकार बना दो, हम यूसीसी लगाएंगे और उन लोगों को चार शादियां नहीं करने देंगे।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी अपने चेले-चपाटों के दम कर बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने का सपना देख रही हैं। पांच मई को बीजेपी आएगी और किसी हालत में बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनेगी। अमित शाह ने कहा कि ममता की सरकार को निकालने का मतलब है, घुसपैठ मुक्त सरकार बनाना। बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालना है। उन्होंने सवाल किया कि क्या दीदी या भाइपो (भतीजा) उन्हें निकाल सकते हैं? केवल भाजपा निकाल सकती है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को नहीं देती है, ताकि बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं हो।

जंग के बीच पोप पर रार क्यों?

## ट्रंप ने माफी मांगने से किया इनकार, ईरानी संसद के स्पीकर ने की साहस की सराहना

**नई दिल्लीः** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो 4 के बीच तीखी बयानबाजी ने अमेरिका और वेटिकन के रिश्तों में असामान्य तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप ने सोमवार को साफ तौर पर कहा कि वह पोप से माफी नहीं मांगेंगे और उनके विचारों को गलत बताया।

**मैं पोप लियो से माफी नहीं मांगूंगा- ट्रंप :** व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि मैं पोप लियो से माफी नहीं मांगूंगा। वह अपराध और कई मुद्दों पर बहुत कमजोर हैं। उन्होंने ईरान के मुद्दे पर भी पोप की आलोचना करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने दिया जा सकता।

यह विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लंबा पोस्ट लिखकर पोप लियो 4 पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि अगर वह राष्ट्रपति नहीं बने होते तो पोप की नियुक्ति ही नहीं होती। ट्रंप ने पोप को अपराध पर कमजोर और विदेश नीति के लिए खराब बताते हुए उनकी शांति और संवाद की अपीलों की आलोचना की।

**ट्रंप ने अपने प्रशासन का बचाव कैसे किया? :** ट्रंप ने अपने प्रशासन की उपलब्धियों का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका में अपराध दर कम हुई है और आर्थिक स्थिति बेहतर है।

# होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही फिर ठप, अमेरिका की नाकाबंदी का तुरंत असर, कई जहाज वापस लौटे

**एजेंसीं / तेहरान, तेल अवीवः** अमेरिका के होर्मुज स्ट्रेट पर नाकाबंदी लागू करने का तुरंत असर हुआ है और इस समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही एक बार फिर लगभग ठप हो गई है। समुद्री खुफिया फर्म लॉयड्स लिस्ट के मुताबिक, नाकाबंदी की घोषणा के बाद ट्रैफिक तुरंत रुक गया और कई जहाजों ने रास्ता बदल लिया या वापस लौट गए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार शाम साढ़े सात बजे से ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर नाकाबंदी (ब्लॉकेड) लागू कर दिया। इसके तहत ईरान के बंदरगाहों में आने-जाने वाले सभी देशों के जहाजों पर नजर रखी जाएगी और उन्हें रोका जा सकता है। अमेरिका की नाकेबंदी के तहत ईरान के सभी प्रमुख बंदरगाह निशाने पर होंगे। इसमें फारस की खाड़ी के साथ ओमान सागर में स्थित बंदरगाह भी शामिल हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, नाकेबंदी ईरान के बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने-जाने वाले सभी देशों के जहाजों पर लागू होगी। ईरान को टोल देने वाले जहाजों को भी रास्ते में रोक लिया जाएगा। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले वे जहाज जो ईरान के अलावा अन्य देशों के बंदरगाहों के बीच सफर कर रहे हैं, उन्हें आने-जाने की इजाजत दी जाएगी। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नाकाबंदी का मकसद ईरान की तेल बिक्री रोकना है।

इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा। इसी बीच ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट और उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा। ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने कहा कि क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षा सबके लिए नहीं होगी, तो किसी के लिए भी नहीं होगी। ईरान ने फिर दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह उसके कंट्रोल में है और वहां से गुजरने वाले जहाजों को रियाल में टोल देना जरूरी होगा। उधर, ब्रिटेन ने अमेरिका की ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसी बीच रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने अमेरिका के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि इस कदम से दुनिया के बाजारों पर बुरा असर पड़ेगा। उधर, ट्रंप की होर्मुज स्ट्रेट में नाकेबंदी की धमकी के बाद चीन ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग में किसी भी तरह की रुकावट वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है

**भारतीय जहाजों को होर्मुज पार करने में मिलेगी मददः** ईरान ने कहा है कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने में मदद करेगा। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने बताया कि ईरान और भारत के बीच इस मुद्दे पर अच्छी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव के बावजूद ईरान चाहता है कि भारत के जहाज बिना किसी दिक्कत के इस रास्ते से गुजर सकें, इसलिए ईरान, नई दिल्ली की मदद करने के लिए तैयार है।

**सात साल बाद भारत पहुंचा ईरानी कच्चा तेलः** अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर चल रही तनातनी के बीच ईरान से भारत के लिए बड़ी राहत आई है। करीब सात साल के बाद ईरान का कच्चा तेल फिर से भारत पहुंचा है। शिप ट्रैकिंग डाटा के अनुसार दो बड़े सुपरटैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट पर पहुंचे हैं, जो ईरानी कच्चा तेल लेकर आए हैं। फेलिसिटी और जया नामक इन जहाजों में करीब 40 लाख बैरल कच्चा तेल है।

## अमेरिका की नाकाबंदी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से कितने जहाज गुजरे? ट्रंप ने किया खुलासा

**वॉशिंगटनः** अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से 34 जहाज गुजरे हैं, जो नाकेबंदी शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। ट्रंप एक बार फिर दावा किया कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से पूरी तरह से तबाह हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया, विशेष रूप से न्यूयॉर्क टाइम्स पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे यह दिखा रहे हैं कि ईरान जीत रहा है या बेहतर स्थिति में है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा, इस तथ्य के बावजूद कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से पूरी तरह से तबाह हो चुका है, असफल होते न्यूयॉर्क टाइम्स को पढ़ने वालों को लगेगा कि ईरान वास्तव में जीत रहा है या कम से कम काफी अच्छा कर रहा है, लेकिन यह सच नहीं है। ट्रंप ने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स जानता है कि यह फर्जी खबर है। उन्होंने सवाल किया, यह भ्रष्ट मीडिया संस्थान मेरे, मेरे समर्थकों और हमारे देश के खिलाफ अपने झूठ और भयानक कृत्यों के लिए कब माफी मांगेगा? अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को दावा किया था कि ईरान की नौसेना समुद्र के तल में पड़ी है, पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है ।इसके साथ ही उन्होंने 158 जहाजों का आंकड़ा भी दिया था। ट्रंप ने कहा, हमने उनके उन छोटे जहाजों को नहीं मारा है जिन्हें वे फास्ट अटैक शिप कहते हैं, क्योंकि हमने उन्हें बड़ा खतरा नहीं माना। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इनमें से कोई भी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी के करीब आया, तो उन्हें तुरंत खत्म कर दिया जाएगा। इसके लिए उसी किल सिस्टम का उपयोग किया जाएगा जो अमेरिका समुद्र में नावों पर सवार ड्रग डीलरों के खिलाफ करता है।

# डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

संवाददाता

**दुमका :** संताल परगना महाविद्यालय, दुमका में संविधान निर्माता, समाज सुधारक एवं युगद्दष्टा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के पावन अवसर पर विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जिसमें छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य, वरिष्ठ प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने एवं समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व की स्थापना के लिए कार्य करने की शपथ ली। इसके उपरांत महाविद्यालय के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था झ ह्लडॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन, संघर्ष और भारतीय समाज में उनका योगदान ह्व संगोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर केवल एक संविधान निमार्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक एवं दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले महान

योद्धा थे। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया और युवाओं से आग्रह किया कि वे शिक्षा को अपना हथियार बनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बाबा साहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जब समाज में समानता और सामाजिक समरसता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता , भाषण प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बाबा साहेब के विचारों एवं उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने गीत, कविता एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के जीवन एवं उनके संघर्षों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया और सभी ने कलाकारों की सराहना की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम दीपक मरांडी, द्वितीय स्वाति राज, एवं तृतीय स्थान दिव्या हांसदा ने प्राप्त किया जबकि पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम राइमा राज, द्वितीय सोनू कुमार गुप्ता एवं तृतीय स्थान स्वीटी मरांडी ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम संयुक्त रूप से सुदीप दास, बिबेक भंडारी, ईशा राणा, अमन सेन, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से नेहा मुर्मू, मनीष कुमार दास एवं तृतीय स्थान भी संयुक्त रूप से कइला दास हांसदा, राज कुमार, संदीप भंडारी ने प्राप्त किया।

महाविद्यालय द्वारा इस अवसर पर एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें ह्लशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्व जैसे नारों के माध्यम से लोगों को सामाजिक समरसता एवं समानता का संदेश दिया गया। रैली महाविद्यालय परिसर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए आयोजन समिति के डॉ सीमा कुमारी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। आयोजक टीम के डॉ चंद्रशेखर रजक ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को महान व्यक्तित्वों के जीवन से सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में निकली स्कूटी रैली

संवाददाता

**मेदिनीनगर :** महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रतीक ह्लनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्व के समर्थन में आज मेदिनीनगर में विभिन्न महिला संगठनों द्वारा एक भव्य स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहर के महापौर आवास से शुरू होकर छः मुहान चौक, हॉस्पिटल चौक, कचहरी चौक होते हुए लता मंगेशकर चौक तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली को मेदिनीनगर की महापौर अरुणा शंकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर वे स्वयं भी स्कूटी रैली में शामिल हुईं और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। पूरे मार्ग में महिलाओं ने एकजुटता और सशक्तिकरण का संदेश देते हुए ह्लनारी शक्ति जिंदाबादह्व जैसे नारों से वातावरण को ऊर्जा से भर

दिया। महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि ह्लनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्व देश की करोड़ों माताओं और बहनों के सम्मान, अधिकार और आत्मबल को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि ह्लनारी तू नारायणीह्व की भावना को साकार करने का राष्ट्रीय प्रयास बताया।

रैली में शामिल भाजपा नेत्री स्मिता आनंद ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के अभूतपूर्व प्रयास हुए हैं। महिलाओं ने इस ऐतिहासिक अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक युगांतरकारी कदम बताया

रैली में शामिल महिला संगठनों की प्रतिनिधियों ने भी इस अधिनियम को महिलाओं के सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल देश की महिलाओं को नई दिशा और आत्मविश्वास प्रदान करेगी।

# मात्र 436 रुपए में मिला 2 लाख का सहारा पति की मौत के बाद पत्नी को मिली बीमा राशि

संवाददाता

**हैदरनगर :** कहते हैं छोटी बचत बड़े संकट में सहारा बनती है, और इसका जीवंत उदाहरण हैदरनगर में देखने को मिला। हैदरनगर उच्च विद्यालय के समीप निवासी अजीत राम के निधन के बाद उनकी पत्नी सीमा देवी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया।भारतीय स्टेट बैंक की हैदरनगर शाखा द्वारा सोमवार को यह चेक सौंपा गया। शाखा प्रबंधक ओमप्रकाश ने बताया कि अजीत राम हर साल मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करते थे और उन्होंने केवल पहले वर्ष का ही भुगतान किया था, बावजूद इसके उनकी पत्नी को पूरी बीमा राशि का लाभ मिला।

सबसे खास बात यह रही कि मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से जमा करने के बाद मात्र 5 दिनों के भीतर राशि का भुगतान कर दिया गया, जो बैंक की त्वरित कार्यप्रणाली को दशार्ता है।सीमा देवी ने भावुक होकर कहा कि कम आय वाले लोगों को

भी ऐसी योजनाओं से जुड़ना चाहिए, क्योंकि मुश्किल समय में यही योजनाएं परिवार के लिए आर्थिक संबल बनती हैं।फील्ड ऑफिसर अनुज सिंह ने भी सभी खाताधारकों से अपील की कि वे इस सरकारी बीमा योजना से जरूर जुड़ें, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।इस अवसर पर सुमिर कुमार, मंगल, अजय कुमार, सीएसपी संचालक पवन कुमार एवं राकिब हुसैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# पैसों के अभाव से बनाया खुद की मनपसंद साड़ी

संवाददाता

रांची तमाड़ के शिवचरण लोहरा की पुत्री सीता कुमारी जो की 12वीं कक्षा में पढ़ती है कला के प्रति उनका इतना रुझान काफी सराहनीय है पैसों के अभाव से मनपसंद साड़ी ना ले पाना कोई कारण न बना, बच्ची ने अपने। कला की हिम्मत से अपने खुद की मनपसंद साड़ी तैयार की इस तस्वीर में देखी जा रही जो साड़ी है इस बच्ची ने खुद अपने हाथों से सोहराय पेंटिंग से सजाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है साथ ही सीता ने अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के महिलाओं को भी इसी तरह प्रेरित करती रहती है सीता कुमारी का लक्ष्य आगे चल कला के क्षेत्र में नाम एवं पहचान बनाना है।

## सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ शुरू हुआ उत्सव

मेदिनीनगर : पलामू जिले के मेदिनीनगर सहित पूरे क्षेत्र में आज सनातन परंपरा के अनुसार सत्तू संक्रांति और वैशाखी का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही नए वर्ष और फसलों की कटाई के प्रतीक के रूप में मनाए जाने वाले इस विशेष दिन को लेकर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। हिंदू समुदाय के लोग इस दिन को 'सतुआन' के रूप में मनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस पर्व की सबसे खास बात खान-पान है, जहाँ भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग जौ और चने के सत्तू के साथ आम और पुदीने की चटनी का आनंद ले रहे हैं। शहर के बाजारों में भी आज काफी चहल-पहल देखी गई, जहाँ राकेश जैसे स्थानीय निवासी सतुआन की सामग्रियों जैसे आम, पुदीना और धनिया पत्ती की खरीदारी करते नजर आए।

## चैनपुर में लगी भीषण आग

**मेदिनीनगर :** पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पनेरीबांध गांव से एक बड़ी खबर सामने आ रही है जहाँ सोमवार की देर रात दिलीप पाठक के घर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे खपड़ापोस मकान को अपनी चपेट में ले लिया जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित परिवार के अनुसार इस अग्निकांड में घर के अंदर रखे 50 हजार रुपये नगद और करीब आठ लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जलकर पूरी तरह खाक हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई जिन्होंने अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। बाद में सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुँची और ग्रामीणों के सहयोग से करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि जब तक आग बुझाई जाती तब तक घर का सारा सामान जल चुका था।

# ट्रेनों की लेटलतीफी पर जनता से घिर गए डीआरएम तरुण हुरिया

## ट्रेनों की लेटलतीफी ठीक नहीं हुई तो होगा रेल चक्का जाम

संवाददाता

कल तक जो डीआरएम यात्री ट्रेनों को रोक कर मालगाड़ियों को रास्ता दे रहे थे। आज वो डीआरएम आम जनता से घिर गए। आम जनता का सवालों का बौछार ऐसा हुआ कि डीआरएम और उनके पास खड़े सीनियर डीसीएम की बोलती बंद हो गयी। जी हाँ ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर आन्दोलन का रुख अख्तियार कर चुके चक्रधरपुर के लोगों ने सोमवार को डीआरएम कार्यालय परिसर में डीआरएम तरुण हुरिया से मुलाकात की।

इस मुलाकात में सभी लोगों के तेवर तल्ख थे। सभी ने मिलकर डीआरएम तरुण हुरिया को मंडल में लेट चलाई जा रही ट्रेनों के मामले को लेकर खूब खरी खोटी सुना दी। चक्रधरपुर में इस आन्दोलन का नेतृत्व कर रहे झामुमो केन्द्रीय सदस्य रामलाल मुंडा ने सीधे तौर पर कह दिया कि एक हफ्ते में ट्रेनों की लेटलतीफी अगर ठीक नहीं हुई तो वे रेल चक्का जाम कर देंगे। उन्हें केस मुकदमों का कोई डर नहीं, जनहित में जनता के लिए आंदोलन करना उनका लक्ष्य है। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने डीआरएम से ही सवाल कर लिया कि टाटा से चक्रधरपुर चलने में एक मेमू और एक्सप्रेस ट्रेन को क्या समय लगना चाहिए, और हकीकत में चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों की रफ़्तार कितनी धीमी है इसका कभी उन्होंने आंकलन किया है। आप के लिए स्पेशल ट्रेन होती है, कभी आम गरीब आदमी के साथ उनकी ट्रेन में बैठकर चला कीजिये, आपको सारा दुख दर्द पता चल जायेगा।आम जनता के सवालों के बौछारों से डीआरएम पानी पानी हो रहे थे, उनके पास कोई जवाब ही नहीं दिख रहा था। वहीँ पास खड़े सीनियर डीसीएम का चेहरा ही लटक गया। जो लोग मंडल में मालगाड़ी दौड़ाकर यात्री ट्रेनों को रोकने का काम कर रहे थे आज जनता से ही घिरे नजर आये। अंत में डीआरएम को लोगों ने एक मांग पत्र सौंपकर ट्रेनों की लेटलतीफी को ठीक करने की मांग की। इस दौरान चक्रधरपुर रेलवे कॉलोनी के प्रवेश द्वार को गेट लगाने का मुद्दा भी छाया रहा। लोगों ने गेट बंद ना करने की मांग की। इसके बाद डीआरएम ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि उनके द्वारा ट्रेनों को समय पर चलाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

# केरा मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्तों ने आग पर चलकर एवं कांटे पर लेट कर दी परीक्षा

संवाददाता

**चक्रधरपुर :** पश्चिमी सिंहभूम जिला का प्रसिद्ध मां भगवती मंदिर केरा में मंगलवार को कालिका घट एवं आग में चल कर तथा कांटे में लेटकर परीक्षा देने के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. केरा मंदिर में सुबह से पूजा-अर्चना शुरू हो गयी. कालिका घट गाजे बाजे के साथ निकाला गया.कालिका घट शुरू होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गयी. केरा मंदिर में करीब 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया.वहीँ सैकड़ों मां केरा के

भक्तों ने आग में चल कर तथा कांटे में लेटकर परीक्षा दिया. केरा मंदिर में शाम तक लगी रही.यहां मेला का भी आयोजन किया गया था. काफी संख्या में भक्तों ने अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचकर माता भगवती के दर्शन किये एवं जलाभिषेक कर अपनी मन्नतें मांगी. वहीं कुछ भक्तों की मनोकामना पूरी होने पर माता के दरबार पहुंचकर जलाभिषेक किया. मेला में प्रसाद से लेकर खानपान की दुकानें, झूला और खिलौने की दुकानें सजी थी. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए केरा मंदिर संचालन समिति एवं मेला संचालन समिति द्वारा मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की गयी है. साथ ही कई जगहों पर पेयजल की भी व्यवस्था की गई है. मेला शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ. मजिस्ट्रेट के रूप में सदानंद होता पुलिस बल के साथ उपस्थित थे. केरा मेला संचालन समिति के पूर्व अध्यक्ष पोरेश नायक ने कहा कि यहां मां केरा से जो भी मंत्रते मांगी जाती है वह पूरी होती है.जिस कारण हजारों की संख्या में भक्तगण यहां पूजा करने आते हैं.उन्होंने कहा सभी लोगों के सहयोग से यहां मां केरा की पूजा एवं मेला सम्पन्न हुआ. वही वर्तमान अध्यक्ष अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा कि पूरे पश्चिम सिंहभूम जिला में यहां ऐतिहासिक मन कर की पूजा होती है उसके साथ यहां विशाल मेला का भी आयोजन होता है पुलिस प्रशासन एवं कमेटी के बेहतर प्रयास से मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है उन्होंने कहा या यह आस्था का केंद्र है यहां जो भी मन्नत भक्तों द्वारा मांगी जाती है वह पूरी होती है जिस कारण लोग आज पर चलकर तथा कांटे में लेट कर मन मां भगवती की परीक्षा देते हैं पूजा एवं तेरा मेला संपन्न कराने में मुख्य रूप से सचिव इंदीवर सिंहदेव,कोषाध्यक्ष अनादि साहू,उपाध्यक्ष राजू साहू,सागर नायक,प्रकाश कर,राजीव सिंहदेव, प्रीतम भट्टाचार्य, मिथुन साहू,अदित्य गोप,नरेश समेत हजारों लोग उपस्थित थे.